डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 196 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 02 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

फिर बिगड़ा कीचन का बजट

सौरभ के बाद अमूल दूध के बढ़े दाम, पांच सदस्यीय घर में तीन हजार रुपए का सिर्फ दूध

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले में एक बड़ी आबादी और लगभग सभी रेस्टोरेंट-चाय विक्रेता पैकिंग दूध का इस्तेमाल करते हैं। मंदसौर में वैसे तो जिले के स्थानीय सहित अन्य जगहों से आने वाले दूध के ब्रांड कई तरह के हैं। प्रदेश में भले ही सांची ब्रांड का दूध सबसे ज्यादा बिकता हो। लेकिन, मंदसौर में ज्यादा सौरभ और उसके बाद अमूल की डिमांड सबसे ज्यादा है। कुछ समय पहले सौरभ सहित अन्य ब्रांड के दूध की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। इसके बाद अब अमूल ने भी दूध के दाम में बढ़ोतरी कर दी है। पैकिंग का दूध 70 रुपए लीटर पर पहुंच गया है। पांच सदस्यीय परिवार के दूध का महीने का खर्च 03 हजार पर पहुंच गया है। तुअर दाल, घी, साबूदाना सहित कई खाद्य पदार्थों कें दाम में वैसे ही तेजी चल रही है। पैकिंग दूध के दाम बढ़ने से फूटकर दूध के भाव में बढ़ोतरी हो रही है।

दूसरे नंबर पर बिकता है अमूल...

वैसे तो कई कंपनियों का दूध मंदसौर जिले में आता है। लेकिन, शहर में सौरभ की खपत ज्यादा है। इसके बाद नंबर आता है अमूल का। इसमें डबल टोन, सिंगल टोन, चाय स्पेशल और गोल्ड की श्रेणियों में दूध बिकता है। लेकिन, विशेषकर डिमांड चाय स्पेशल और गोल्ड की होती है। सौरभ गोल्ड की बात करें तो इसके दाम 70 रुपए लीटर है। वहीं चाय स्पेशल 62 रुपए लीटर की खपत चाय की दुकानों पर ज्यादा है। अब बात करें अमूल की तो अमूल के दामों में दो रुपए की बढ़ोतरी हुई है। अब अमूल में गोल्ड की कीमत 68 रुपए प्रति लीटर हो गई है तो चाय स्पेशल की कीमत दो रुपए बढ़कर 57 रुपए लीटर पहुंच गई है। बता दे कि गोल्ड को मिठाईयों और पीने के उपयोग में लिया जाता है। वहीं चाय स्पेशल का उपयोग रेस्टोरेंट और घरों में चाय बनाने के उपयोग में आता है।

चार लाख लीटर से अधिक दूध की खपत...

जिले की 15 लाख आबादी में 04 लाख लीटर से अधिक दूध की खपत होती हैं। जिले में सौरभ और अमूल सहित लगभग सात कंपनियों का पैकिंग दूध बिकता है। रोज 35 से 40 हजार लीटर दूध विक्रय होता है। शहर में 152 डेयरी वाले हैं, इनके यहां से 1 लाख लीटर से अधिक दूध की सेल होती है। शेष दूध की सप्लाई किसान फूटकर दूध विक्रेता के रूप में करते हैं। कुछ ही माह में दूसरी बार प्रतिलीटर 2-2 रुपए बढ़े है। पैकिंग दूध महंगा होते ही फूटकर दूध के दाम भी बढ़रहे हैं। जिससे कीचन का बजट बिगड़ रहा है।

इसलिए बढ़े दूध के दाम...

दूध विक्रेताओं के अनुसार भाड़ा महंगा होने से कंपनियों ने दाम बढ़ा दिए। पॉलीथिन पर बैन लगने से मोटी पॉलीथिन जिसका दूध की थैली में उपयोग होता है, वह महंगी हो गई है। हर चीज के दाम बढ़ने से मजदूरी महंगी हो गई। पशु आहार महंगा हो रहा है। ऐसे में निजी कंपनी व फुटकर विक्रेता को खर्च निकालना मुश्किल हो रहा है। इससे दूध के दाम बढ़ने लगे हैं।

ढाई-तीन हजार रूपए महीना दूध का खर्च...

10 से 12 हजार कमाने वाले मध्यम वर्ग का व्यक्ति जो वाहनों, दुकानों, निजी कंपनियों व फैक्टरियों में काम करता हैं, ऐसे लोगो की स्थिति बहुत खराब हो रही हैं। जिले कि आबादी में करीब 50 फीसदी यही वर्ग का आता है जो 10 से 15 हजार रुपए महीना कमाते हैं। दूध के दाम बढ़ने से हर माह इन्हें ढाई से तीन हजार रूपए केवल दूध में खर्च करना पड़ रहा है। घरों में काम करने वाली महिला चंदाबाई ने बताया कि सुबह घर का काम करने के बाद लोगों के घरों में काम करके 06-07 हजार रुपए महीना कमाती हूं। घर में दो बच्चे हैं, इनके दूध पर ही आधे से ज्यादा पैसा खर्च हो जाता है। पति काम करके 07 हजार लाते हैं। इसके बाद भी बच्चों की फीस व किराने में सब खर्च हो जाता है। दूध महंगा होने पर हमने चाय बंद कर दी व बच्चों को दूध देते हैं। मंहगाई बढ़ती रही तो बच्चों का दूध भी बंद करना होगा।

अमूल ने बताया दाम बढ़ाने का कारण...

अमूल कंपनी का कहना है कि दूध की खरीद की लागत में पिछले कुछ महीनों में वृद्धि हुई है। डेयरी उत्पादन से जुड़े खर्चों और किसानों से दूध खरीदने की लागत में बढ़ोतरी के चलते कंपनी को दूध की कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं। अमूल ने ये भी कहा कि, दाम बढ़ाने से डेयरी किसानों को उनकी मेहनत का सही दाम मिलेगा, जिससे उनकी आय सुधरेगी। वहीं गर्मी और बदलते मौसम से दूध उत्पादन पर असर पड़ा है। ऐसे समय में आपूर्ति घटती है, जिससे लागत बढ़ जाती है। ऐसे में कंपनियां दूध की कीमतें बढ़ाती हैं।

आमजन के मासिक बजट पर पड़ेगा असर...

मदर डेयरी के बाद अब अमूल ने दूध की कीमतें बढ़ाई हैं, जिसका असर मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ेगा। परिवार का मासिक बजट बिगड़ेगा। ये बदलाव बड़ी आबादी के घरों के बजट पर प्रभाव डाल सकता है। बताते चले कि इन कंपनियों के दूध पर ही नहीं, बल्कि अन्य डेयरी उत्पाद जैसे दही, पनीर, मक्खन आदि की कीमतों में भी बढ़ोतरी होगी।

अन्नदाता के साथ किसान बन रहा ऊर्जादाता

एमपीईबी 25 साल तक लेगी सोलर प्लांट से बिजली

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। अपना अंचल कुछ समय बाद सौर ऊर्जा दाता जिले के नाम से भी जाना जाएगा। इसका सबसे बड़ा कारण केंद्र सरकार की कुसुम योजना है। इस योजना को लेकर किसानों का रुझान एक दम बढ़ गया है। हाल यह है कि सैंकड़ों किसानों ने इसके लिए आवदेन कर दिए है। धीरे-धीरे किसानों को इसके लिए एलओ जारी भी हो रहे है। इस योजना में आवेदन करने वालों में खास से लेकर आम किसान तक शामिल है। जैसे-जैसे किसानों को इस योजना की जानकारी मिल रही है। वैसे-वैसे आवेदन करने वालों की संख्या बढ़रही है।

बताया जा रहा है कि अब तक करीब तीन सौ से अधिक आवेदन हो चुके है। केंद्र सरकार ने कुसुम योजना किसानों के लिए ही शुरु की है। ताकि किसान अन्न के साथ-साथ ऊर्जा का भी दाता बनें और आर्थिक रुप से मजबूत हो। इसके लिए दो मेगावाट तक सोलर प्लांट लगाया जा सकता है। किसान के पास अलग-अलग मेगावाट के लिए अलग-अलग जमीन चाहिए। यदि किसान को एक मेगावाट का सोलर प्लांट लगाना है तो पांच बीघा जमीन की आवश्यकता है और दो मेगावाट का प्लांट लगाना है तो 10 बीघा जमीन की आवश्यकता है। अधिक से अधिक ग्रिड से किसान के खेत की दूरी पांच किलोमीटर होना चाहिए। इसमें एमपीईबी 3.25 रुपए प्रति यूनिट के मान से बिजली खरीदेगी। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के तहत किसान को 70 से 90 फीसदी तक कर्ज हो जाता है। ऐसे में यह कर्ज 12 से 15 साल तक का रहता है। इस प्लांट से बिजली एमपीईबी खरीदती है। ऐसे में यदि एक मेगावाट का प्लांट है। जो वर्तमान में सवा लाख यूनिट माह की उत्पादित कर रहा है। इसमें कर्ज की राशि काट कर करीब 76 हजार रुपए महिने किसान को मिल रहे है। यह 12 से 15 साल लोन तक इतनी राशि मिलेगी। उसके बाद 10 साल तक पूरी राशि मिलेगी। जिसमें किसान को बड़ी मात्रा में फायदा होगा।

दो किलो अफीम जप्त, आरोपी गिरफ्तार

पिपलियामंडी, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने 2 किलो अफीम के साथ बाइक सवार युवक को गिरफ्तार किया। नारायणगढ पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर झारडा की ओर से आ रही बाइक (एमपी 44 जेडबी 0321) पर सवार युवक को रोका, तलाशी के दौरान आरोपी के पास बेग से करीब 2 किलो अफीम मिली। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान देथल (कुकडेश्वर) निवासी विशाल (24) पिता रामप्रहलाद पाटीदार होना बताई। पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर अफीम व बाइक जब्त की। आरोपी से पूछताछ जारी है।

रिकार्ड तोड़ेगा इस माह पारा

पहले सप्ताह में बारिश-ओले गिरने की आशंका; मालवा-निमाड़ के शहर सबसे गर्म

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। अपने एमपी में मई महीने में भीषण गर्मी का ट्रेंड है। पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो राजस्थान और उत्तर प्रदेश बॉर्डर से जुड़े प्रदेश के जिलों में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। इस बार भी ऐसी ही गर्मी पड़ सकती है। हालांकि, मई के पहले सप्ताह में बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। आखिरी सप्ताह में सबसे ज्यादा तपिश होगी।

गुरुवार को सबसे गर्म मालवा-निमाड़ यानी इंदौर और उज्जैन संभाग के शहर रहे। खरगोन में 43.2 डिग्री सेल्सियस, खंडवा में 43.1 डिग्री, रतलाम-शाजापुर में 43 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान पहुंच गया। वहीं, गुना, नरसिंहपुर, धार, सागर, शिवपुरी, टीकमगढ़, रायसेन और दमोह में पारा 41 डिग्री से ऊपर ही रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल-इंदौर में 41.6 डिग्री सेल्सियस, ग्वालियर में 39.3 डिग्री, उज्जैन में 42.5 डिग्री और जबलपुर में 39 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन तक प्रदेश में बारिश, ओले और आंधी का अलर्ट जारी किया है।

कांबिंग गश्त: 107 वारंट तामिल कराए

रतलाम, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले में अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस ने व्यापक कॉम्बिंग अभियान चलाया। इस दौरान लंबे समय से फरार 25 स्थायी वारंटी और 82 गिरफ्तारी वारंटी पकड़े गए। साथ ही जिलाबदर, हिस्ट्रीशीटर और निगरानीशुदा अपराधियों की जांच की गई।

पुलिस कप्तान अमित कुमार के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में सीएसपी और एसडीओपी सहित सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में कॉम्बिंग गश्त की। अधिकारियों ने पहले पुलिस बल की ब्रीफिंग कर टीमों को रवाना किया। रतलाम शहर, जावरा, रतलाम ग्रामीण, सैलाना और आलोट सहित पूरे जिले में एक साथ कॉम्बिंग की गई। इस दौरान ढाबों, होटलों और सार्वजनिक स्थानों की जांच की गई। रात में बेवजह घूमने वालों को समझाइश दी गई। पुलिस कप्तान अमित कुमार ने बताया कि गुंडे, बदमाश और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। पुलिस टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

डोडाचूरा तस्करी करते बाइक सवार गिरफ्तार

पिपलियामंडी, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। डोडाचूरा तस्करी करते पुलिस ने बाइक सवार को गिरफ्तार किया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सनावदा मार्ग सूपडा फन्टे पर बाइक सवार को रोका, तलाशी के दौरान आरोपी के पास बेग से 30 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान रठाजना (प्रतापगढ) निवासी अरुण पिता रामचन्द्र गायरी होना बताई। पुलिस ने डोडाचूरा व बाइक जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया आरोपी से डोडाचूरा लेकर पिपलिया से जयपुर की ओर जाने वाला था, जिससे पूछताछ जारी है, जिसे शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

दो दिन बाद ही सही, जिम्मेदारों की नींद खुली

शामगढ़ टीआई लाईन हाजिर, दूसरी बार शिवहरे के स्थान पर महाजन..!

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। सात वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में कार्रवाई से असंतुष्ट परिजनों के विरोध के बाद शामगढ़ थाना प्रभारी धर्मेंद्र शिवहरे को हटाते हुए उन्हें लाइन अटैच कर दिया गया। उनके स्थान पर गरोठ के बाद अब शामगढ़ में भी उप निरीक्षक मनोज महाजन को प्रभार सौंपा गया है। परिजनों ने थाना प्रभारी पर समझौते का दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को धरना शुरू किया था, जो गुरुवार को पुलिस कप्तान के हस्तक्षेप के बाद समाप्त हुआ। बता दें कि 25 अप्रैल की रात शामगढ़ कस्बे में एक 07 वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ का आरोप पड़ोस में रहने वाले 17 साल के किशोर पर लगाया गया था। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को पकड़कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे रतलाम के बाल सुधार गृह भेज दिया गया था।

धरने पर बैठा था परिवार...

घटना के चार दिन बाद पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी धर्मेंद्र शिवहरे ने शिकायत दर्ज कराने के दौरान सेटलमेंट का दबाव बनाया और समझौते की बात की। इस बात से नाराज पिता ने पहले पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद को ज्ञापन सौंपा, फिर बुधवार को अपनी पत्नी और बच्ची के साथ बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर के सामने धरने पर बैठ गए।

कप्तान के एक्शन के बाद धरना खत्म...

देर से ही सही लेकिन, धरना प्रदर्शन के बाद पुलिस कप्तान ने गंभीरता से जांच करते हुए शामगढ़ टीआई को लाइन अटैच करने के आदेश दिए। साथ ही थाना प्रभारी का प्रभार उप निरीक्षक मनोज महाजन को सौंपा गया। वहीं, टीआई धर्मेंद्र शिवहरे ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उन्होंने मामले में नियमानुसार कार्रवाई की है और वे पूरी तरह निर्दोष हैं। टीआई को हटाए जाने के बाद पीड़ित परिवार ने प्रशासन के फैसले पर संतोष जताया और गुरुवार दोपहर में धरना समाप्त कर दिया। हालांकि, पूरे घटनाक्रम ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल जरूर खड़े किए हैं।

टीआई सस्पेंड, जांच किसने की...?

शामगढ़ टीआई को एक मासूम के साथ बदसलूकी के मामले में पुलिस कप्तान ने सस्पेंड तो कर दिया। लेकिन, उस मामले की जांच किसने की। जांच में क्या पाया गया। क्या, वास्तव में टीआई दोषी है या सीएम के आने के पहले कोई विवाद नहीं हो इसलिए टीआई को हटाना मजबूरी बन गया था। ऐसे कई सवाल है, जो आमजन के दिमाग में कौंध रहे हैं। इस तरफ भी उच्चाधिकारियो को ध्यान देना चाहिए। अन्यथा, पुलिस का मनोबल भी कम हो सकता है?

एमडी ड्रग में गिरफ्तार मां-बेटी रिमाण्ड पर, ड्रग देने वाला फरार

पिपलियामंडी, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। एमडी ड्रग तस्करी में पकडाई मां-बेटी को कोर्ट ने एक दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश दिए। महिलाओं को ड्रग देने वाले आरोपी पर भी पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है, जो फरार है। जानकारी के अनुसार मल्हारगढ पुलिस ने 300 ग्राम एमडी ड्रग के साथ मुल्तानपुरा निवासी मेराज बी पति मंगतिया नियारगर व उसकी बेटी नाजमीन पिता मंगतिया नियारगर को गिरफ्तार किया था। दोनों सडक किनारे बस का इंतजार कर रही थी, जो उदयपुर होकर अहमदाबाद की ओर जाने वाली थी। पूछताछ के दौरान दोनों ने जब्त एमडी ड्रग मुलतानपुरा निवासी कालू उर्फ फिरोज पिता उमर कोका से लेकर अहमदाबाद देने जाना बताया है, पुलिस ने कालू उर्फ फिरोज को भी आरोपी बनाया है, जो फरार है। मल्हारगढ टीआई राजेन्द्रकुमार पंवार ने बताया दोनों को गुरुवार एनडीपीएस एक्ट न्यायालय में पेश किया, जिन्हें 1 दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश हुए।

सौलह क्विंटल से ज्यादा डोडाचूरा जप्त

ट्रक से हो रही थी तस्करी, चालक फरार

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने गुरुवार को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान में महती कार्रवाई की। पुलिस ने एक ट्रक से 16 क्विंटल 40 किलो 250 ग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त किया। जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत लगभग 35 लाख 02 हजार रुपए है। पुलिस कप्तान अंकित जायसवाल के निर्देश पर यह कारवाई हुई।

जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी निरीक्षक शिव रघुवंशी और पुलिस टीम को रात्रि गश्त के दौरान एक संदिग्ध अशोक लीलैंड ट्रक मिला। ट्रक तिरपाल से ढका था। पुलिस ने ट्रक की तलाशी में 81 प्लास्टिक के कट्टें में डोडाचूरा पाया। तलाशी के समय ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस चालक की तलाश कर रही है। मनासा थाने में ट्रक चालक के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मनासा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में मादक पदार्थों कीं तस्करी नहीं होने दी जाएगी।

कार की टक्कर से बाईक सवार पति-पत्नी व बेटी की मौत

गरोठ, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन फोरलेन पर कार चालक ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार पति-पत्नी और बेटी की मौत हो गई। शामगढ़ के सरकारी अस्पताल में मृतकों का पोस्टमार्टम किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार गरोठ-उज्जैन फोरलेन पर गुरुवार दोपहर में आगे चल रही बाइक को पीछे से कार चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में ग्राम रुपरा निवासी कमल सिंह, पत्नी लाली व बेटी खुशी की मौत हो गई। तीनों के शव का पोस्टमॉर्टम शामगढ़ हॉस्पिटल में कर शव परिजनो के सुपूर्द किया गया।

विधायक के नेतृत्व में शिवना सफाई अभियान शुरु

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री विपीन जैन के नेतृत्व में श्री पशुपतिनाथ मंदिर के पास शिवना नदी का सफाई अभियान शुरु किया गया। पहले दिन नदी में फैली जलकुंभी साफ करने की शुरुआत की गई। सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, व्यापारियों, पत्रकारों, हम्मालों, किसानों, कर्मचारियों व आमजन ने नदी से जलकुंभी निकाली। विधायक विपिन जैन ने कहा शिवना नदी हमारी मां के समान है। अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर इसकी शुद्धि के लिए आगे आएं। यह केवल सफाई नहीं, बल्कि पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। लोगों ने कहा कि पिछले कुछ सालों से जिम्मेदार शिवना नदी को जलकुंभी से मुक्ति दिलाने के लिए दावे करते आ रहे हैं। जलकुंभी को हटाने के लिए साल में 2021 मशीन का सहारा लेकर भी सफाई करवाई गई। दावा किया कि अब शिवना में कभी जलकुंभी नहीं दिखेगी। लेकिन, कुछ ही समय मे शिवना में फिर से जलकुंभी की चादर बिछ गई और जिम्मेदारों के दावे खोखले साबित हो गए। शिवना नदी में फैली गंदगी का खामियाजा कहीं न कहीं आमजनों को दूषित पानी पी कर भुगतना पड़ रहा है।

विचार-मंथन

पहलगाम के बाद पाकिस्तानी साजिशें तेज

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी से यह शक गहरा होता है कि उसकी साजिश में कहीं न कहीं उसका हाथ है। पहलगाम हमले के बाद जिस तरह भारत में आक्रोश है और सरकार पर कोई बड़ी कार्रवाई करने का जन-दबाव बन रहा है, उसे देखते हुए पाकिस्तान में घबराहट है। उसने घटना के बाद सीमा पर हवाई गश्ती और चौकियों पर सैनिक दस्ते बढ़ा दिए। हालांकि वह लगातार कह रहा है कि उस हमले में उसका कोई हाथ नहीं था, उसकी जांच की पेशकश भी कर रहा है, पर वहां की सेना जिस तरह बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रही है, उससे जाहिर है कि वह भारतीय सैनिकों को उकसाने की कोशिश कर रही है। पहलगाम हमले के बाद से वह चार बार गोलीबारी कर चुकी है। हालांकि आमतौर पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की जाती है, तो उसका यही मतलब होता है कि दुश्मन देश सीमा पर अपने सैनिकों की मुस्तैदी का संकेत दे रहा है। बताने का प्रयास कर रहा है कि वह किसी भी तरह की चुनौती से निपटने को तैयार है। मगर पाकिस्तानी सेना साजिशन ऐसा करती है। अक्सर वह अपने प्रशिक्षित आतंकवादियों को भारतीय सीमा में घुसपैठ कराने के मकसद से इस तरह गोलीबारी करती है। इस तरह वह अनेक बार संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर चुकी है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी से यह शक गहरा होता है कि उसकी साजिश में कहीं न कहीं उसका हाथ है। यह छिपी बात भी नहीं है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने में मुख्य रूप से पाकिस्तानी सेना और वहां की खुफिया एजंसी का हाथ है। इसके अनेक प्रमाण मौजूद हैं। भारत सरकार अनेक आतंकी हमलों से जुड़े प्रमाण पाकिस्तान सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सौंप चुकी है। मगर पाकिस्तान हर दस्तावेज को सिरे से खारिज करता रहा है। वह खुद दहशतगर्दी के गहरे जख्म झेल चुका है, पर इस पर नकेल इसलिए नहीं कस पाता कि वहां निर्णय करने का कोई व्यवस्थित तंत्र नहीं है। वहां की सेना ने सियासी हुकूमत के ऊपर अपना वर्चस्व बना लिया है। इसलिए सरकार के स्तर पर लिया गया कोई भी निर्णय सेना अपनी मर्जी से स्वीकार या अस्वीकार करती है। दरअसल, आतंकवाद को वहां की सेना ने अपना हथियार बना लिया है और उसका इस्तेमाल वह मुख्य रूप से भारत के खिलाफ करती रही है। ऐसा लगता है कि इसी से उसका वजूद बचा और बना हुआ है। वह भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियां चला कर उकसाने और सीमा पर तनाव बनाए रख कर पाकिस्तानी अवाम को बरगलाने में कामयाब होती रही है। आतंकवाद और भारत के साथ तनावपूर्ण रिश्ते पाकिस्तान सरकार को भी रास आते हैं। इस तरह वह बुनियादी समस्याओं की तरफ से वहां के लोगों का ध्यान भटकाने में कामयाब हो जाती है। पाकिस्तान पूरी तरह से विफल राष्ट्र है। उसकी माली हालत निहायत खस्ता हो चुकी है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं दुर्दशा झेल रही हैं। लोगों को दो जून की रोटी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। उधर बलूचिस्तान के विद्रोही संगठन रोज उसे गंभीर चुनौती पेश कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारत के साथ सीमा पर तनाव से बुनियादी समस्याओं पर कुछ समय के लिए पर्दा पड़ जाता है। मगर इस तरह वहां की सरकार बहुत लंबे समय तक अपनी कमजोरियों को ढंक कर नहीं रख सकती। फिर, चीन से उसे जो मदद मिल रही है, वह स्थायी नहीं है। अपना स्वार्थ सधते ही वह अपना हाथ खींच लेगा।

पाक के खिलाफ कूटनीतिक एवं रणनीतिक दबाव जरूरी

ललित गर्ग

पाकिस्तान की पहचान एक ऐसे देश के रूप में है जो कमजोर है, असफल है, कर्ज में डूबा है, अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करने में नाकाम है, आतंक की नर्सरी एवं प्रयोगशाला है, ढहती अर्थव्यवस्था है, इन बड़ी नाकामियों को ढकने के लिये ही वह कश्मीर का राग अलापता रहा है, वहां के नेता एवं सैन्य अधिकारी तमाम जर्जरताओं एवं निराशाओं के बावजूद आज भी हिन्दू और भारत विरोध को ढाल बनाकर ही अपनी सत्ता मजबूत करते रहे हैं। लेकिन अब उसका चेहरा इतना बदनुमा बन गया है कि उसने धर्म के नाम पर निर्दोष एवं बेगुनाह लोगों का खून बहाना शुरु कर दिया है। भारत ही नहीं, दुनिया में आतंक को फैलाने में अपनी जमीन, संसाधन एवं ताकत का प्रयोग खुलेआम करना शुरु कर दिया है, यह उसकी बौखलाहट ही है, यह उसकी निराशा ही है, यह उसकी विकृत सोच ही है। इस घिनौनी सोच का पर्दाफाश पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले के रूप में पूरी दुनिया के सामने हुआ है। विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों एवं चीन ने इसे अनदेखा ही किया।

लेकिन इस बार की पहलगाम घटना ने इन देशों के साथ पूरी दुनिया को झकझोर दिया है और पाकिस्तान के प्रति उनकी सोच बदली है। निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग-जाहिर हो गई है, लेकिन उसके आतंकवादी होने के पुख्ता प्रमाणों ने दुनिया को एकजुट कर दिया है, यही कारण है कि दुनिया से वह अलग-थलग अकेला खड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? क्यों उसने किन्हीं दूसरे देशों के कहने पर अपनी जमीन को आतंक की उर्वरा भूमि बनने दिया? क्यों उसने इस्लाम को आधार बनाकर कट्टरपंथ की फसल सींची? पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। सोचने वाली बात तो यह भी है कि उसने इस्लाम एवं मुसलमान समुदाय को भी अपने गलत एवं गंदे मनसूबों के लिये इस्तेमाल किया। यह कारण है कि अपने धर्म को धुंधलाने एवं बेजा इस्तेमाल का फल उसे तमाम असफलताओं एवं पराजयों के रूप में मिला है, अन्यथा इस्लाम का पवित्र उपयोग करने वाले देश तो दिनोंदिन आगे बढ़ रहे हैं, समृद्ध हो रहे हैं, अपने लोगों को उन्नत जीवन प्रदत्त कर रहे हैं, दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाकर खड़े हैं। दुनिया पाकिस्तान के बदसूरत चेहरे को देख चुकी है, फिर भी दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति, अमन एवं उन्नत संसार-निर्माण के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान सुधर नहीं सकता, अतीत में भारत से तीन युद्ध हारने के बावजूद उसने कुछ सबक नहीं लिया। भारत को नुकसान पहचाने की नीति पर वह आज भी कायम है। भारत की अलग-अलग समय की सरकारों ने अनेक कोशिशें पाकिस्तान से संबंध सुधारने की है, लेकिन पाकिस्तान सुधरा नहीं। भारत के संबंध सुधार, शांति एवं पडोसी देश-धर्म के प्रयासों का जबाव उसने हमेशा आतंकवादी घटनाओं के रूप में ही दिया। भारत के इन सकारात्मक प्रयासों के बदले कभी कारगिल मिला, कभी पठानकोट, कभी उरी तो कभी मुंबई। लेकिन इस बार के पहलगाम के नृशंस आतंकी हमले के बाद हर भारतीय, यहां तक हर कश्मीरी की जुबान पर एक ही सवाल है कि इस पाकिस्तान का इलाज क्या है? लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बड़ा और आरपार का करने के मुड़ में है। अब तक प्रधानमंत्रियों में वे सर्वाधिक शक्तिसम्पन्न एवं हौसले वाले महानायक है। पाकिस्तान इस समय बहुआयामी संकट का सामना कर रहा है, आंतरिक असंतोष, आर्थिक पतन एवं घटती अन्तर्राष्ट्रीय प्रासंगिकता के चलते वह बौखलाहट का शिकार है। इसी का परिणाम है कि वह भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप-शनाप बयानों से वह अपने ही पांव पर कुल्हाडी चलाता हुआ दिख रहा है। चीन पर उसका भरोसा भी उसे निराश ही करेगा। पाकिस्तान में जब चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तब चीन को उसमें आतंकवाद नजर आता है, लेकिन मौका मिलने पर वह मसूद अजहर जैसे आतंकियों को बचाने से गुरेज नहीं करता। ऐसा नहीं है कि चीन मुस्लिमों का रहनुमा है। दुर्भाग्य से, बात जब भारत की आती है, तो आतंकवाद को लेकर पेइचिंग का नजरिया भी बदल जाता है। लेकिन इस बार चीन के सामने भारत का लुभावना बाजार है, इसके चलते वह पाकिस्तान का खुला समर्थन करेगा, इसमें शंका है। पाकिस्तान का एकमात्र बड़ा सहारा चीन भी उससे दूरी बना ले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पाकिस्तान को वह हमेशा भारत को परेशान करने के टूल के रूप में इस्तेमाल करता आया है। पहलगाम की तटस्थ जांच के लिए पाकिस्तान का प्रस्ताव बताता है कि वह कमजोर और अलग-थलग पड़ रहा है। भारत के पक्ष को दुनिया बेहतर ढंग से समझ रही है। यही बात चीन को भी समझानी होगी। मोदी सरकार के लिए यह दिखाना जरूरी हो गया है कि वो इस मामले को लेकर वाकई गंभीर है।

वैश्विक जगत भारत के साथ वहीं भारत के विरोधी दल देश के गुनाहगारों के साथ

मृत्युंजय दीक्षित

कश्मीर घाटी के पहलगाम हमले में 26 निहत्थे निर्दोष पर्यटकों की धर्म पूछकर और कलमा न पढ़ पाने पर की गई नृशंस हत्याओं के बाद, देश में आतंकवाद के खिलाफ भीषण आक्रोश है। देश का जन जन पाकिस्तान से बदला लेने के लिए तड़प रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने पहले बिहार की मधुबनी रैली में और फिर «मन की बात» रेडियो कार्यक्रम में देश को विश्वास दिलाया है कि पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा तथा पाकिस्तान को ऐसा दंड दिया जाएगा जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की होगी। आतंकवादी घटनाओं के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि देश के गृहमंत्री तुरंत अपने सभी कार्यक्रम रद्द करके घटनास्थल पहुंचे और पीड़ितों के साथ खड़े रहे। इस घटना के बाद से भारत के आतंकवाद से निपटने के निर्णय को विश्व के सभी प्रमुख देशों ने अपना पूरा समर्थन दिया है। लगभग पूरा वैश्विक समुदाय संकट की इस घड़ी में भारत के साथ खड़ा हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के विरोधी दलों की स्थिति इसके पूर्णतया विपरीत है। भारत सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में तो विपक्ष ने सरकार का साथ देते हुए पहलगाम हमले की निंदा की तथा सरकार के निर्णयों का पूर्ण समर्थन देने की बात की किन्तु कुछ ही घंटों में इनके तेवर बदल गए और ये वापस अपनी तुष्टिकरण की राजनीति में लग गए। स्वाभाविक रूप से इनके पाकिस्तान परस्त एजेंडा का नेतृत्व कांग्रेस पार्टी कर रही है जिसने अपनी सोशल मीडिया टीम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी के विरुद्ध अत्यंत निंदनीय कैम्पेन आरम्भ किया है। कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी एक ताजा मीम में प्रधानमंत्री का शीर्ष रहित स्केच दिखाया गया है। कांग्रेस सहित विपक्ष के सभी नेता और प्रवक्ता टीवी चैनलों तथा सार्वजनिक मंचों पर जिस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं उससे स्पष्ट है इनको देश से कोई मतलब नहीं है बस अपने वोट बैंक को खुश करना है भले ही देश की सुरक्षा को दांव पर क्यों न लगाना पड़े। आज कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद और आम आदमी पार्टी के प्रवक्ताओं की बयानबाजी कर रहे हैं इन नेताओं के गिरे हुए स्तर का प्रमाण है। पाकिस्तानी माडिया व यूट्यूबर्स विरोधी दलों के इन्हीं नेताओं के बयानों को आधार मानकर भारत के खिलाफ प्रोपोगैंडा चला रहा है। सबसे पहले गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा जिस पर आर्थिक भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है उसने आपत्तिजनक बयान दिया फिर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया जो मुस्लिम तुष्टीकरण और जातिवाद की राजनीति में गले तक फंसे हैं ने कहा कि इस समय पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की कोई आवश्यकता नही है। कर्नाटक सरकार के ही एक मंत्री ने कहा कि आतंकियो ने धर्म पूछ कर हत्याएं नहीं की हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता और विधायक विजय वडेट्टीवार ने पीड़ितों की गवाही पर ही प्रश्न खड़े कर दिए। उनका कहना है कि क्या आतंकवादियों के पास लोगों को गोली मारने से पहले उनका धर्म पूछने का समय होता है। उनसे पहले बिल्कुल यही टिप्पणी कर्नाटक के मंत्री आरबी थिम्मापुर ने की थी। जब जनता में इन विधायकों के खिलाफ आक्रोश बढ़ा तब ये अपने बयान से पलट गए। उधर कांग्रेस नेता सैफुद्दीन सोज अनगर्ल बयानबाजी कर चुके हैं। कांग्रेस का पूरा आईटी सेल अपनी गालीबाज प्रवक्ता के नेतृत्व में अनर्गल प्रलाप कर रहा है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी मुखिया अखिलेश यादव को राज्य में मुस्लिम तुष्टिकरण और पीडीए राजनीति की चिंता है और यही कारण है कि वे कहते हैं कानपुर के शहीद शुभम द्विवेदी के परिवार से उनका कोई संबंध नहीं है और उनके घर जाने का उनके पास समय नहीं है। वहीं सरकार को घेरने के लिए वो बलिदानियों को 10-10 करोड़ का मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं और भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। स्मरणीय है कि ये यह वही अखिलेश यादव हैं जो माफिया मुख्तार और अतीक अहमद के घर जाकर मर्सिया पढ़ते हैं। यह वही अखिलेश यादव हैं जिन्होंने 2012 से 2017 के मध्य संविधान को दरकिनार रखते हुए आतंकवादियां की रिहाई का हरसंभव प्रयास किया था। यही नहीं भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने पहलगाम की दुखद घटना की निंदा तो नहीं की लेकिन जब भारत सरकार ने सिंधु नदी जल समझौता स्थगित किया तब उसके पेट में दर्द होने लगा।

वास्तव में जो मौन होता है, वही सुन पाता है

मौन कोई कमजोरी या पलायन नहीं है, बल्कि एक शक्ति है, जो विचारों को आत्मा की गहराई से जोड़ती है। हम बहुत कुछ कहते हैं, पर स्वयं को सुन नहीं पाते। यहीं मौन का महत्व उजागर होता है। जब हम मौन होते हैं, तब हम केवल शब्दों से नहीं, अपने कर्म, दृष्टि और स्पंदन से बोलते हैं। कभी-कभी जीवन में सबसे बड़ा उत्तर मौन होता है। एक बालक जब किसी प्रश्न का उत्तर नहीं दे पाता, तो उसकी आंखें बहुत कुछ कहती हैं। एक वृद्ध जब जीवन के सारे उतार-चढ़ाव देख चुका होता है, तो उसका शांत चेहरा ही उसकी पूरी कथा बन जाता है। यही मौन, जो शोर से परे होता है, सत्य की दिशा दिखाता है। चाणक्य नीति में एक गूढ़ सूत्र है 'मौनं सर्वार्थसाधनम्' अर्थात्, मौन सभी कार्यों की सिद्धि का साधन है। यह केवल वाणी की चुप्पी नहीं, बल्कि चित्त की स्थिरता, बुद्धि की स्पष्टता और आत्मा की दिशा है। यह वह अवस्था है जहाँ शब्दों की आवश्यकता नहीं रह जाती, और अनुभूति स्वयं प्रकट होती है। मौन को केवल चुप रहना समझना, उसकी महिमा को कम आंकना है। यह कोई कमजोरी या पलायन नहीं है, बल्कि एक शक्ति है। वह शक्ति जो विचारों को आत्मा की गहराई से जोड़ती है। जब बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया, उन्होंने कोई ग्रंथ नहीं पढ़ा, कोई संवाद नहीं किया। उन्होंने मौन धारण किया। मौन के माध्यम से ही उन्होंने अपने भीतर के संसार को देखा, और वहीं उन्हें 'बोध' प्राप्त हुआ। यही मौन की पराकाष्ठा है। उपनिषद् कहते हैं जहां वाणी और मन भी नहीं पहुंच सकते, वहां मौन प्रवेश करता है। यह मौन ही ब्रह्म की अनुभूति का माध्यम बनता है। आज के समय में, जहां शब्दों का शोर बढ़ चुका है, मौन विलास नहीं, अपितु आवश्यकता बन गया है। दिनभर की भागदौड़, सूचनाओं की बाढ़ और संवादों की अधिकता ने हमें अपने भीतर से दूर कर दिया है। हम बहुत कुछ कहते हैं, पर स्वयं को सुन नहीं पाते। यहीं मौन का महत्व उजागर होता है। जब हम बाहरी आवाजें कम कर देते हैं, तभी भीतर का संगीत सुनाई देता है। मौन वह द्वार है जिससे हम अपनी आत्मा से संवाद करते हैं। एक साधक जब मौन धारण करता है, तो उसका उद्देश्य केवल शब्दों से बचना नहीं, बल्कि अपने भीतर की गति को देखना होता है।मौन का एक और रूप है सुनना। वास्तव में जो मौन होता है, वही सुन पाता है। वह केवल ध्वनियों को नहीं, भावनाओं, ऊर्जा और कंपन को भी ग्रहण करता है। जो मन स्थिर होता है, वह दूसरों की पीड़ा, आकांक्षा और मौन पुकार को सहज ही पहचान लेता है। यही संवेदना है।मौन और एकाग्रता का संबंध अत्यंत गहरा है। मन का स्वभाव है भटकना। आधुनिक मनोविज्ञान में -मोनकी माइंड का सिद्धांत उस अवस्था को दर्शाता है जिसमें हमारा मन निरंतर विचलित रहता है। विचारों और संवेदनाओं के बीच कूदता रहता है, जैसे बंदर शाखा दर शाखा छलांग लगाता है। यह अवस्था मानसिक स्पष्टता और शांति में बाधा डालती है। मौन, विशेष रूप से ध्यान और विपश्यना के माध्यम से, इस विक्षिप्त मन को नियंत्रित करने का सशक्त उपाय है। जब हम मौन होते हैं, तो हमारा मस्तिष्क विश्राम करता है, और धीरे-धीरे शांति की ओर अग्रसर होता है। जब हम मौन धारण करते हैं और मानसिक गतिविधियों से विराम लेते हैं, तो मस्तिष्क के 'न्यूरल नेटवर्क' में सकारात्मक परिवर्तन होते हैं। शोधों से ज्ञात हुआ है कि ध्यान से 'प्रिफ्रंटल कॉर्टिक्स' की सक्रियता बढ़ती है, जो निर्णय, एकाग्रता और आत्म-नियंत्रण से जुड़ा है। साथ ही ;द्वंद्वलङ्घ्य' की गतिविधि घटती है, जिससे भावनात्मक प्रतिक्रियाएं शांत होती हैं। इस प्रकार मौन हमें अधिक संतुलित, संयमित और सुस्पष्ट बनाता है। महात्मा गांधी के जीवन में भी मौन की भूमिका अत्यंत प्रभावशाली थी।

जगतगुरु शंकराचार्य जी की जयंती पर विशेष..

भारत की एकता अखंडता को लेकर शंकराचार्य जी ढाई हजार वर्ष पहले ही जाग गए थे

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। आद्य शंकराचार्य का जन्म ईसा पूर्व 508 वर्ष अर्थात 2529 वर्ष पूर्व वैशाख शुक्ल पंचमी के दिन केरल के कालडी नामक गांव में नंबूदरीपाद ब्राह्मण के एक साधारण परिवार में हुआ था किंतु पारिवारिक संस्कारों के कारण उनका मन सदैव भगवान शिव में लगा रहता था और वह घंटों ध्यानस्थ होकर सिर्फ यह सोचते कि विश्व का कल्याण कैसे होगा और उनके मन एक दिन अंदर से यह आवाज कि- जीतम्जगत केन? उत्तरथा मनोहियेन अर्थात जिसने इस मन को जीत लिया समझो उसने इस जगत को जीत लिया और उस दिशा में चलते हुए उन्होंने सन्यास जीवन ग्रहण किया।

एक दुर्बल मनुष्य सिंहो, हाथियों और अन्य भयानक हिंसक जानवरों को अपने नियंत्रण में कर सकता है किंतु उसे अपने मन को नियंत्रित करना अत्यंत ही कठिन होता है परंतु यह कुशलता हमारे साधु सन्यासियों में अधिकांशत दिखाई देती है और यह कुशलता उनकी ईश्वर के प्रति निष्ठा तथा तपस्या से प्राप्त होती है। शंकराचार्य जी ने मात्र 8 वर्ष गुरुकुल में बिताए और वहां उन्होंने वेदांत का अध्ययन संपन्न कर लिया उनकी बुद्धि और चिंतन से यह सिद्ध होने लगा कि बालक शंकर, हिंदू धर्म के उत्थान के हेतु ईश्वरीय इच्छा को पूर्ण करने के लिए इस पृथ्वी पर आया है। सन्यासी जीवन के दौरान वे भारत के अनेक क्षेत्रों में यात्रा करते रहे और उन्होंने देखा कि समाज गरीबी, अमीरी, वर्ण भेद जातिवाद और क्षेत्रवाद के कारण ईश्वर की बनाई हुई सृष्टि को भी चुनौती दे रहा है जबकि भारत एक पवित्र धर्म भूमि है और इसलिए इसकी पवित्रता बनाए रखने के लिए कन्याकुमारी से कश्मीर तक एवं पूर्व से पश्चिम तक भारत की एकता को धर्म के आधार पर सुदृढ़ करना होगा और उन्होंने हिंदू धर्म की सभी जातियों को इकट्ठा कर एक दशनामी संप्रदाय बनाया उनके 4 प्रमुख शिष्य जिनके नाम पद्मपाद, सुरेश्वर हस्तमालक ,और त्रोटक थे जिन्होंने शंकराचार्य जी के मार्गदर्शन में इस संप्रदाय का नेतृत्व किया।

आद्य शंकराचार्य ने भारत को उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम तक जोड़ने के लिए चारों धाम पर मठ स्थापित किए और चार शंकराचार्य की पीठों का निर्माण किया जिसमें वेदांत ज्ञान श्रृंगेरी मठ, रामेश्वरम (दक्षिण भारत), गोवर्धन मठ जगन्नाथ पुरी (पूर्वी भारत), शारदा मठ द्वारका (पश्चिम भारत) और ज्योतिर्मठ बद्रिकाश्रम (उत्तर भारत) है। और इतना ही नहीं उन्होंने तमिलनाडु के कांचीपुरम में कांचीकाम कोटि पीठ की स्थापना भी की। इसके साथ ही संपूर्ण भारत वर्ष में अलग-अलग विधाओं के ज्ञान के लिए खंड अथवा उपपीठ की भी स्थापना की गई। इसी तारतम्य में मंदसौर जिले में भानपुरा पीठ ज्योतिष पीठ के नाम से जानी जाती है। भारत की सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं को एकात्मता के सूत्र में बांधने के लिए उन्होंने एक अनूठी योजना बनाई जिसमें एक दूसरे के क्षेत्र की सामाजिक परंपराओं के आदान प्रदान हेतु उत्तर भारत के बद्रीनाथ धाम में दक्षिण का पुजारी और दक्षिण भारत के मंदिर में उत्तर भारत का पुजारी और इसी प्रकार पूर्वी भारत में पश्चिम का और पश्चिम का पूर्वी भारत में पुजारी हो यह व्यवस्था की थी। इससे यह प्रतीत होता है कि ढाई हजार साल पूर्व ही शंकराचार्य जी के मन में भारत को एक सूत्र में बांधने के लिए जातिवाद वर्ण भेद और क्षेत्रवाद को समाप्त करने की अवधारणा बहुत स्पष्ट थी। उन्होंने अद्वैत वेदांत का दर्शन प्रतिपादित किया और जनसाधारण के लिए अनेक भाष्य लिखें और संपूर्ण भारत के विद्वानों से विश्वकल्याण को लेकर अनेक ज्ञान चर्चाएं आयोजित की। जिसके कारण शंकराचार्य जी का स्थान विश्व के महान दार्शनिकों में सर्वोच्च माना जाता है। उनके द्वारा स्थापित चारों मठों के शंकराचार्य हिंदू धर्म के सर्वोच्च गुरु माने जाते हैं। उन्होंने ब्रह्म ही सत्य और जगत मिथ्या इस वाक्य को सिद्ध करते हुए अपनी माता के प्रति दायित्व का निर्वहन भी किया क्योंकि माता की बीमारी का समाचार सुनकर वे अपना पुत्र धर्म निभाने के लिए अपने गांव कालडी आ गए जहां उन्होंने माता की मृत्यु के पश्चात उनका दाह संस्कार और श्राद्ध भी किया। शंकराचार्य जी के विराट व्यक्तित्व और कृतित्व को इतने कम शब्दों में बांधना या प्रस्तुत करना बहुत कठिन है पर आज उनकी जयंती के उपलक्ष में उनकी स्मृति हेतु कुछ शब्द सुमन समर्पित कर रहे। मात्र 32 वर्ष की उम्र में वे ब्रह्मलीन हो गए किंतु अपने जीवन काल में , सन्यास जीवन एवं राष्ट्र की चिंता और परिवार के साथ समन्वय तथा साधु परंपराओं को जीवित रखने के लिए जो कुछ आद्य शंकराचार्य जी ने किया है उससे भारत सहित संपूर्ण विश्व उनका जन्म जन्मांतर तक ऋणी रहेगा।

रमेशचंद्र चंद्रे, मंदसौर

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 167 मरीजों ने लाभ उठाया

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। स्व. श्री दलीचंद, स्व. श्रीमती कंचनदेवी, स्व. श्री कुंदनलाल, स्व. श्री गोपाल गर्ग केडिया की स्मृति में नन्दसेवा संकल्प समिति और श्री प्रहलाद गर्ग फाउंडेशन के तत्वावधान में जीसीएस हॉस्पिटल अहमदाबाद के ख्यातनाम चिकित्सकों के सहयोग से आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर में 167 मरीजों का नि:शुल्क परीक्षण कर उन्हें दवाइयां प्रदान की गई। शिविर का शुभारम्भ श्री प्रह्लाद गर्ग फाउंडेशन के संचालक श्री पीयूष गर्ग, समाजसेवी श्री नन्दकिशोर अग्रवाल, नेशनल मीडिया फाउंडेशन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री नरेंद्र अग्रवाल, नन्दसेवा संकल्प समिति के अध्यक्ष श्री दयाराम चौहान व समाजसेवी श्री प्रेमप्रकाश गर्ग, श्री राजकुमार सिंहल, श्री मोहनलाल शर्मा, डॉ. मेहुल गर्ग ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर अन्य कोई ईश्वरीय कार्य नहीं है। अपने परिजनों की स्मृति में नि:शुल्क रूप से चिकित्सा शिविर का आयोजन करके जरूरतमन्दो को घर बैठे लाभ देना परोपकार का कार्य है। अन्य लोगों को भी ऐसे कार्यों र्से प्रेरणा मिलती हैं। नन्दसेवा समिति संकल्प समिति द्वारा विगत 4 वर्ष से शिविर आयोजित कर जरूरतमंदों को उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है जो सराहनीय है। श्री प्रह्लाद गर्ग फाउंडेशन द्वारा मानव सेवा के हितार्थ अनेक प्रकल्प संचालित किये जा रहे हैं। पीयूष ट्रेडर्स दत्त मंदिर रोड रोम टावर के पीछे फाउंडेशन द्वारा निशुल्क रूप से समय-समय पर ऐसे चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता है और निशुल्क ओपीडीपी भी आरंभ की गई है जो सतत रूप से संचालित होती है। आने वाले समय में प्रतिदिन अहमदाबाद, बड़ौदा, उदयपुर ,इंदौर के चिकित्सक निशुल्क रूप से ओपीडी में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। अतिथियों एवं चिकित्सको का स्वागत विनय गर्ग, सत्यनारायण पोरवाल, दिनेश सोलंकी, बलराम राठौड़, नईम शाह, शहजाद हुसैन, राकेश बोराना, मनीषा चौहान ,आरती चौहान, निधि चम्पामण्डल सहित अन्य उपस्थित महानुभावों ने किया। कार्यक्रम का संचालन समिति अध्यक्ष दयाराम चौहान ने किया। तथा आभार पीयूष गर्ग ने माना।

छेड़छाड़ का आरोप लगाकर सहायक सचिव को पीटा

पिपलियामंडी, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। छेड़छाड़ का आरोप लगाकर सहायक पंचायत सचिव को पीटा। पुलिस ने केस दर्ज किया। कचनारा निवासी रमेश पिता राधेश्याम सोनी (सहायक सचिव बेटीखेड़ी) ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं अपना निर्माणाधीन मकान देखने गया वहां मौजूद ढिकनिया निवासी वीरेन्द्रसिंह राठौर ने छेड़छाड़ करने का आरोप लगाकर मारपीट की व सलिए से मारी, जिससे हथेली पर चोंट आई। पुलिस ने केस दर्ज किया।

डांगी परिवार का श्री कुल भैरव जी पूजन व बारहवां मिलन समारोह 12 को

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी डांगी (जैन) परिवार द्वारा वैशाखी पूनम पर श्री कुल भैरवजी पूजन व डांगी परिवार का बारहवां मिलन समारोह श्री कुल भैरवजी के पाट स्थान फतेहगढ़ मंदसौर पर दिनांक 11 व 12 मई को रखा गया है। जिसमें देश भर के डांगी (जैन) परिवारजन उपस्थित रहेंगे। आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है तथा प्रथम आमंत्रण पत्रिका श्री कुल भैरव के चरणों में अर्पित कर डांगी परिवार को पत्रिका भेजने के कार्य का शुभारंभ किया गया। डांगी (जैन) गौत्रीय भेरूजी विकास समिति के संरक्षक दिलीप डांगी, अध्यक्ष संदीप डांगी व सचिव जयेश डांगी ने बताया कि दिनांक 11 मई, रविवार को रात्रि 8 बजे पाट स्थापना (रात्रि जागरण) होगा। 12 मई, सोमवार को प्रात: 9 बजे भेरूजी पूजन तथा 12.30 बजे से डांगी (जैन) समाज के परिवारजनों का मिलन समारोह होगा। कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार ने सभी डांगी (जैन) परिवार से उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ ने 21 सूत्रीय मांगों को लेकर किया प्रदर्शन, दिया ज्ञापन

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई मंदसौर के द्वारा 1 मई मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रान्ताध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया के निर्देश पर प्रदेश संयुक्त सचिव डॉ. प्रीतिपालसिंह राणा के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष श्री हेमन्त जैन (सीतामऊ) की अगुवाई में पत्रकारों की 21 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन दिया गया। यह उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रतिवर्ष 1 मई को मजदूर दिवस पर पूरे मध्यप्रदेश में एक ही दिन माननीय प्रान्ताध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया के निर्देश पर सभी जिला मुख्यालयों पर ज्ञापन देकर पत्रकारों के हितों के लिये कार्य करता रहा है इसी तारतम्य में कल 1 मई को मजदूर दिवस पर मंदसौर के गांधी चौराहा पर श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों ने एकत्रित होकर पत्रकारों की 21 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कियां हाथों में तख्तिया लेकर पत्रकारों ने पत्रकार सुरक्षा कानून को लागू करने, आयुष्मान भारत योजना का लाभ सभी पत्रकारों को मिले इसकी मांग की। पत्रकारों ने जिला मुख्यालयों पर पत्रकार भवन हेतु नि:शुल्क भूमि उपलब्ध कराने, पत्रकारों के लिये सम्मान निधि हेतु अधिमान्यता की अनिवार्यता समाप्त करने एवं उनकी मृत्यु उपरांत सम्मान निधि की राशि पत्रकार की पत्नी को देने सहित कुल 21 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान श्रमजीवी पत्रकार संघ के साथियों ने पत्रकार एकता जिंदाबाद व पत्रकारों के मसीहा शलभ भदोरिया जिंदाबाद के नारे लगाये। गांधी चौराहा पर प्रदर्शन के बाद पत्रकारगण नये कलेक्ट्रेड भवन पहुंचे और उन्होंने कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन दिया।

इस अवसर पर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, वरिष्ठ पत्रकार महावीरप्रकाश अग्रवाल, मंदसौर जिला इकाई महासचिव संजय भाटी, संभागीय कार्यसमिति सदस्य विपिन (गोलू) चौहान, मंदसौर जिले के ब्लॉक अध्यक्षगण जगदीश लोहार (सीतामऊ), जुगल वैध (सुवासरा), अजय शर्मा (दलौदा), पंकज जैन टकरावद (मल्हारगढ), रजनीश जैन (नाहरगढ), जिला उपाध्यक्ष राजेश कुलश्रेष्ठ, जिला सचिव प्रदीप कारपेंटर, विरेन्द्रसिंह राठौर मजेसरी, गजेन्द्रसिंह मण्डलोई नाहरगढ, संयुक्त सचिव संदीप विजयवर्गीय मल्हारगढ, रूपेश सौलंकी, निलेश भारद्वाज, जिला कार्यसमिति सदस्य राजू सोनी, विश्वास दुबे, सलमान कुरेशी, दीपेश जैन तहलका, सचिन जैन, देवेन्द्र मोर्य संजीत, योगेश सोनी, मंदसौर नगर इकाई के सदस्यगण सरवर खान, मोहसीन कुरेशी, शाहिद निजामी, जितेन्द्र शर्मा, रमेश चौहान, ललित भाटी, सुरेश भावसार, ललितशंकर धाकड़, घनश्याम रावत, नयन जैन सीतामऊ, बालचंद आसलिया, फरदीप शाह, गोपालसिंह मंगोलिया, ओमप्रकाश सोनी, सतीश माहेश्वरी दलौदा, अरूण भाटी, राहुल श्रीवास्तव, दलौदा व अन्य आसपास के क्षेत्रों के पत्रकारगण सर्वश्री मुकेश बैरागी, महेश मराठा, देवराज गुर्जर, निलेश जैन, नरेन्द्र सोनी, विक्रमसिंह आदि ने गांधी चौराहा पर आयोजित प्रदर्शन में सहभागिता की तथा नये कलेक्ट्रेड कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन का वाचन जिलाध्यक्ष श्री हेमन्त जैन सीतामऊके द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंदसौर जिला इकाई महासचिव संजय भाटी ने पधारे सभी पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त किया। उक्त आशय की जानकारी जिला महासचिव संजय भाटी ने दी। पत्रकारों ने पहलगाम हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि दी- ज्ञापन व प्रदर्शन के बाद सभी पत्रकारगणों ने एक स्थान पर एकत्रित होकर पहलगाम हमले में शहीद होने वाले पर्यटकों की आत्मा की शांति दो मिनिट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्नातक तृतीय वर्ष प्रायोगिक परीक्षा कल

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य प्रो. जे.एस. दुबे ने बताया कि बी.एससी., बी.ए., बी.कॉम, बी.बी.ए., बी.सी.ए., तृतीय वर्ष (नियमित/ स्वाध्यायी) के समस्त विद्यार्थियों की ओपन इलेक्टिव (इंटरनेट एंड इट्स एप्लीकेशन) एवं वोकेशनल (सायबर क्राइम एंड लॉ) विषय की प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 03.05.2025 को कम्प्यूटर विभाग में आयोजित की जा रही है। अधिक जानकारी के लिये विद्यार्थी टेलिग्राम ग्रुप देखें अथवा कम्प्यूटर विभाग के सूचना पटल का अवलोकन करें । समस्त विद्यार्थी प्रायोगिक परीक्षा हेतु दिनांक 03.05.2025 को निर्धारित समय पर अनिवार्यत: उपस्थित होंवे।

काका को पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। काका से मारपीट के मामले में पुलिस ने भतीजे पर केस दर्ज किया। मल्हारगढ वार्ड 13 निवासी राधेश्याम पिता किशनलाल तेली ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि भतीजा गोपाल पिता रामनारायण तेली घर आया और बोला कि तूमने ही मेरा तलाक कराया और गाली-गलौज कर मारपीट की, क्रिकेट के बेट से मारी, जिससे कोहनी पर चोंट आई। पुलिस ने केस दर्ज किया।

जिले में ई केवाईसी कार्य के लिए तीन दिवसीय विशेष अभियान प्रारंभ

नीमच, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिले की सभी पंचायतों एवं नगरीय निकायों के सभी वार्डो में खसरा ई-केवाईसी, समग्र, ई-केवाईसी, खाद्य ई केवाईसी, आधार आर ओ आर की केवाईसी, एवं फार्मर रजिस्ट्री के लक्ष्यों की शतप्रतिशत पूर्ति के लिए गुरूवार से तीन दिवसीय तक तक विशेष अभियान आज से प्रारंभ किया गया हैं। ई केवाईसी के इस विशेष अभियान के सफल संचालन के लिए जिला स्तर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नीमच को नोडल अधिकारी एवं परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण (डूडा) सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जिले में इस अभियान के तहत गांव सिरखेडा, लसुडी तंवर, झांतला, पिपली चौक नीमच सिटी, नयागांव, जन्नौ द, बडोदिया बुजुर्ग, बुज, ढोढर ब्लॉकक, बोरखेडी, दारू, कुकडेश्वर, खिमला, धनेरिया कला, भमेसर, ग्वाजलटोली नीमच सहित विभिन्नब गांवों और शहरी वार्डो में ई-केवायसी विशेष शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में राजस्वा अमले एवं विभिन्न विभागों के ग्राम स्तंरीय अमलो ने शेष हितग्राहियों को प्रेरित कर, उनकी खसरा, समग्र आधार, खाद्य, ई-केवायसी, आर.ओ.आर., ई-केवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री की गई। एसडीएम श्री पवन बारिया, एसडीएम श्री संजीव साहू एवं एसडीएम जावद सुश्री प्रीति संघवी सहित संबंधित तहसीलदार एवं राजस्वप अधिकारियों ने ईकेवायसी शिविरों का निरीक्षण कर, ईकेवायसी कार्य की प्रगति का जायजा लिया और संबंधितों को आवश्यिक निर्देश भी दिए। यह तीन दिवसीय अभियान जिले में 2 व 3 मई 2025 को भी आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टसर श्री हिमांशु चंद्रा ने सभी संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को शेष सभी हितग्राहियों के ई-केवायसी का कार्य इस अभियान अंतर्गत अनिवार्य रूप से पूरा करवाने के निर्देश दिए है।

विश्व श्रमिक दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा प्रेषित वार्षिक कार्ययोजना के अनुक्रम में एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर, श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में दिनांक 01 मई 2025 से 07 मई 2025 तक श्रमिक विधिक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में आज विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर एस.के.जे. गुरप इंटरप्राईजेस मंदसौर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर एवं श्रम विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सुधीर सिंह निगवाल द्वारा की गई। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती अपर्णा लोधी एवं श्रम विभाग मंदसौर के जिला श्रम अधिकारी श्री प्रकाश डोडवे एवं श्रम निरीक्षक श्री सुनाक्ष गोलेचा चीफ लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल श्री प्रमोद मेनारिया विशिष्टरूप से उपस्थित रहे। इस शिविर का उद्देश्य श्रमिकों को उनके विधिक अधिकारों एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित कानूनों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रमिकों को मुख्य रूप से विषयों को समझाया गया-न्यूनतम वेतन अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक श्रमिक को निर्धारित न्यूनतम मजदूरी प्राप्त करने का अधिकार।

मजदूरी भुगतान अधिनियम के अनुसार समय पर वेतन भुगतान का अधिकार और उसके उल्लंघन पर विधिक उपाय।ईएसआईसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं एवं बीमा लाभों की जानकारी।ईपीएफ (भविष्य निधि योजना) के अंतर्गत पेंशन एवं बचत योजनाओं की जानकारी।महिला श्रमिकों के अधिकार, जैसे मातृत्व अवकाश, कार्यस्थल पर सुरक्षा, एवं यौन उत्पीड़न से संरक्षण कानून।कारखानों और भवन निर्माण श्रमिक अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण, कल्याण योजनाएं, और शैक्षणिक सहायता।श्रमिकों को नि:शुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, जो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से उपलब्ध है।बाल श्रम निषेध कानून की जानकारी, जिससे बालकों के अधिकारों की रक्षा की जा सके। इस जानकारी ने उपस्थित श्रमिकों को उनके कानूनी अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और सामाजिक न्याय की प्रक्रिया के प्रति सजग एवं सशक्त बनाया। शिविर में यह स्पष्ट किया गया कि यदि किसी श्रमिक को वेतन न मिल रहा हो, कार्यस्थल पर असमानता या शोषण हो रहा हो, या उन्हें किसी भी प्रकार की विधिक सहायता की आवश्यकता हो, तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर में संपर्क कर सकते हैं, जहाँ उन्हें नि:शुल्क कानूनी सलाह एवं अधिवक्ता उपलब्ध कराए जाते हैं। कार्यक्रम के अंत में श्रमिकों के बीच विधिक जानकारी से संबंधित पंपलेट्स का वितरण किया गया एवं उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों के समाधान भी उपस्थित अधिकारियों द्वारा दिए गए।यह शिविर समानता, गरिमा और न्याय की भावना को साकार करते हुए, श्रमिकों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

अतंरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ ने दिया पत्रकार हितों के 21 सुत्रीय मांगों का ज्ञापन

नीमच, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। अतंरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ने जिला मुख्यालय पर जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन के नेतृत्व में रैली निकाल कर पत्रकार हितो की 21 सुत्रीय मांगो का ज्ञापन अतिरिक्त कलेक्टर सी एस धार्वे को दिया। जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन ने बताया कि संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया के नेतृत्व में पत्रकार हितों की 21 सुत्रीय मांगो को लेकर हर जिला मुख्यालय पर ज्ञापन दिया गया इसी क्रम में नीमच जिला इकाई द्वारा भी प्रात: 11 बजे रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया गया ज्ञापन में पत्रकार सुरक्षा कानून शीघ्र बने, मालवीय नगर स्थित पत्रकार भवन की भूमि पुन: संगठन को मिले, पत्रकार श्रृद्धा निधी पेंशन में अधिमान्यता की शर्त हटाई जाए, पत्रकार स्वास्थ्य बीमा बीना किसी शुल्क के हो, सभी जिला मुख्यालयों पर जिला कार्यालय हेतू निशुल्क भूमि उपलब्ध हो, शासकीय कमेटियों में मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के सदस्य को प्राथमिकता से लिया जावे, श्रमजीवी पत्रकार साथियों को बैंकों से बिना ब्याज लोन मिले, श्रमजीवी पत्रकार के बच्चों को स्कूल ओर कांलेज फिस में आधी छुट मिले, पत्रकारो को निशुल्क आवास प्लाट मिले, सर्किट हाउस में श्रमजीवी पत्रकारों को रुकने की सुविधा मिले, पत्रकारों को सहज ओर सुलभ तरिके से अधिमान्यता मिलना चाहिए, श्रमजीवी पत्रकार साथियों के कार्ड टोल नाकों पर स्वीकार किया जावे, श्रमजीवी पत्रकारों को आयुष्मान कार्ड सुविधा से जोड़ा जाकर स्वास्थ्य लाभ मिले जैसी 21 सुत्रीय मांगो का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त कलेक्टर धार्वे को दिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन, संभागीय सचिव सुरेश कुमावत, संभागीय सहसचिव कैलाश फरक्या, जिला कार्यकारी अध्यक्ष चेन सिंह सोलंकी, जिला महासचिव अविनाश जाजपुरा, जिला उपाध्यक्ष राकेश सोन, कैलाश राठौर, भरत जाट, महेश जैन, मनासा तहसील अध्यक्ष हेमंत शर्मा, रामपुरा तहसील अध्यक्ष विनोद धनोतिया, जीरन तहसील अध्यक्ष लोकेश पालीवाल सिंगोली तहसील अध्यक्ष सुरेश साहु, जावद तहसील अध्यक्ष आशीष बैरागी, मुकेश सिंहल पार्टनर, दिनेश अहिर, विमल जैन, राज कुमार जैन, कोशल व्यास, निरंजन शर्मा, मुकेश माहेश्वरी, गोपाल दास बैरागी, अवध शर्मा, लाला भट्ट, अलखराय पुरोहित, राकेश पुरोहित, कोमलदास बैरागी, मुकेश डबकरा, प्रदीप मोर्य, आशीष बंग, श्रीपाल बघेरवाल, प्रभुलाल सियार, संजय शर्मा, सहित अनेक पत्रकार साथी उपस्थित थे।

मजदूरों का परिश्रम ही हमारे देश की प्रगति का आधार है-राठौर

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। मजदूर कल्याण समिति जिला मंदसौर द्वारा नगरपालिका सभागृह में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया गया। इस दौरान समिति द्वारा गरीब मजदूरों को राशन कीट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक श्री मदन लाल राठौर, सांसद प्रतिनिधि भाजपा नेता गौरव अग्रवाल. समाजसेवी पार्षद सुनील बंसल, प्रदेश अध्यक्ष करण सिंह परिहार मंचासीन थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मदनलाल राठौर ने कहा, श्रमिक हमारे समाज की रीढ हैं। उनका परिश्रम ही हमारे देश की प्रगति का आधार है। हमें उनके अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और उन्हें सम्मान देना चाहिए। गौरव अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा, श्रमिकों के बिना कोई भी उद्योग या संस्था आगे नहीं बढ सकती। हमें उनके लिए बेहतर कार्य स्थितियाँ और सुविधाएं सुनिश्चित करनी चाहिए। समिति प्रदेश अध्यक्ष करणसिंह परिहार ने कहा, हमारा संगठन हमेशा से श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है। हम भविष्य में भी उनके कल्याण के लिए कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष गोवर्धन लाल हाडा, प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा पुष्पा चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष रेणुका रामावत, प्रदेश महामंत्री बाबूलाल गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा मनीष टेलर, प्रदेश प्रभारी अजय जटिया, पदाधिकारी हंसा बोराणा, जिलाध्यक्ष मन्दसौर सुनील सिखवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रम गुर्जर, उपाध्यक्ष पूजा अमराडिया आदि समिति के पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

आप ने मजदूर दिवस पर किया मजदूरों का सम्मान

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। आदमी पार्टी मंदसौर जिला इकाई द्वारा 1 मई को राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर मजदूरों से मुलाकात कर फूल माला पहनाकर स्वागत किया एवं उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा करी। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी की सदस्यता अभियान के तहत कई सदस्य जुडे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष यशवंत धाकड, मीडिया प्रभारी प्रकाश दोसावत, गंगाराम पाटीदार, जाकिर हुसैन एवं सत्यनारायण रेबारी उपस्थित थे।

आठ खिलाड़ियों ने राज्यस्तरीय रेफरी ताइक्वांडो सेमिनार की परीक्षा उत्तीर्ण की

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला स्पोर्ट्स ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश भाटी एवं सचिव गगन कुरील ने बताया कि संस्था के 8 खिलाड़ियों ने मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में 19 वा 20 अप्रैल को चंडीगढ से आए इंटरनेशनल रेफरी सर्वजीत सिंह द्वारा रेफरी सेमिनार दिया गया। रेफरी सेमिनार के डायरेक्टर राजस्थान कोटा से आए विनोद जी ग्रेवाल द्वारा संपन्न हुई। मध्यप्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष इंटरनेशनल रेफरी गौतम जी लश्करी के द्वारा रेफरी सेमिनार का आयोजन किया गया स जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन रतलाम के सचिव अभिषेक जी शर्मा ने सभी का स्वागत किया। राज्य स्तरीय ताइक्वांडो रेफरी सेमिनार में भाग लेकर श्रेष्ठ अंक लाते हुए सभी खिलाडी ने परिक्षा पास कर रेफरी बने।

धवल कुमावत, यश हीवे ग्वाला, कृष्णा गड्या, साहिल बोरीवाल, दीपेश गहलोत, संदीप आर्य, असमा बी, आदित्य चौहान ने रेफरी एग्जाम श्रेष्ठ अंकों के साथ पास की, सभी खिलाड़ियों के रेफरी एग्जाम पास करने पर संस्था के संरक्षण एडिशनल एसपी गौतम जी सोलंकी, आर आई पुलिस विभाग दिनेश जी बैन, जिला खेल अधिकारी खेल और युवा कल्याण विभाग विजेंद्र जी देवड़ा जिला खेल अधिकारी शिक्षा विभाग बंशीलाल जी बारीवाला, मंदसौर सिटी कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह जी राठौड, अनिल जी कियावत, लोकेंद्र कुमार जी डाबी, पीजी कॉलेज के खेल अधिकारी राजू कुमार, व्यवस्था प्रभारी विजय जी कोठारी, टेक्निकल डायरेक्टर सैयद आफताब आलम , सुनील जी हीवे ग्वाला , अशोक जी गहलोत , असलम खान, दिनेश जी चंदवानी , दुर्गेश जी बेलानी, एडवोकेट दीनदयाल भावसार, हितेश जी सालवी, धर्मेंद्र सिंह रानेरा, कमलेश जी डोसी, शाहिद जी हुसैन शवंत सिंह राठौर ,श्रीमती धर्मेंद्र कुमारी बघेरवाल ने सभी रेफरी को बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की।

चार छात्रों को इंदौर में मिली यूसीमास की ग्रेजुएशन डिग्री

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। मास्टर ब्रेंचाइजी यूसीमास म.प्र. द्वारा इंदौर के रविंद्र नाट्य गृह में यूसीमास का कोर्स करने वाले 350 प्रतिभावान छात्रों को ग्रेजुएशन डिग्री प्रदान की गई। जिसमें मंदसौर के 4 प्रतिभावान छात्र ने भी आयोजन के मुख्य अतिथियों के हाथों ग्रेजुएशन डिग्री प्राप्त की। इस दौरान उपस्थित बच्चों एवं उनके अभिभावक का उत्साह देखते ही बन रहा था।

उक्त जानकारी देते हुए यूसीमास कोर्स इंस्ट्रक्टर नरेन्द्र कुमार ने बताया कि ग्रेजुएशन डिग्री यूसीमास में तीन साल का कोर्स पूर्ण करने पर दी जाती है। तीन साल के बाद यूसीमास स्टूडेंट को इंटरनेशनल ग्रेडिंग एग्जाम उत्तीर्ण करना होती है। इस एग्जाम में उत्तीर्ण होने के बाद उन्हें ग्रेजुएशन डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया जाता है। मंदसौर से चार छात्र भव्या डालवानी, प्रखर मण्डवारिया, रणवीर चंदवानी, वेदांशी मण्डवारिया को यह ग्रेजुएशन डिग्री, मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर इंदौर में सम्मानित किया गया। जो मंदसौर के लिये गर्व की बात है। यह चारों छात्र यूसीमास कोर्स इंस्ट्रक्टर नरेन्द्र कुमार से नियमित रूप से यूसीमास की प्रैक्टिस कर रहे है। नरेन्द्र कुमार ने बताया कि मंदसौर से अभी तक 250 छात्र ग्रेजुएशन डिग्री प्राप्त कर चुके है। इन छात्रों को इस डिग्री का लाभ उनकी उज्ज्वल भविष्य के लिये काफी उपयोगी साबित हुई है। अभी वर्तमान में 60 बच्चे यूसीमास कोर्स कर रहे है।

मां अम्बे प्रतिमा की हुई प्राण प्रतिष्ठा

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। जगतपुरा स्थित श्री बड़केश्वर महादेव बालाजी मंदिर पर मॉ अम्बे की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन किये गये। जिसके तहत 30 अप्रैल को प्राण प्रतिष्ठा हुई उसके पश्चात् महाआरती का आयोजन किया गया। सायंकाल 751 कन्याओं का पूजन कर महाप्रसादी का आयोजन किया गया। महाप्रसादी में करीब 4 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक श्री विपिन जैन, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित, भाजपा मण्डल अध्यक्ष विनोद डगवार, क्षेत्रीय पार्षद दीपमाला मकवाना, पार्षद रमेश ग्वाला, कमलेश सिसौदिया, युवा नेता गौरव अग्रवाल, बंटी चौहान ने उपस्थित होकर कन्या पूजन किया। हवन में श्री मनीष-सुनीता भण्डारी व श्री रामेश्वर-दीपमाला मकवाना सहित उपस्थित समिति सदस्यों ने आहूती दी। धार्मिक क्रियाये पं. श्री महेश शर्मा ने सम्पन्न कराई। इस अवसर पर मॉ अम्बे की प्रतिमा की लाभार्थी श्री मनीष-सुनीता भण्डारी, चांदी के छत्र के लाभार्थी श्री सुरेन्द्र भण्डारी का मंदिर समिति के संरक्षक रामेश्वर मकवाना, अध्यक्ष महेश भावसार, उपाध्यक्ष चन्द्रशेखर जैन अमलावद वाले, कोषाध्यक्ष अशोक मोगरा द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुनील बंजारिया, कैलाश नावेल्टी, बिरजू परमार, पिंकेश भाटी, चंदू मकवाना, अर्जुन पंवार, तनिष्क मालीवाल, कैदार परमार, रमेश लक्षकार आदि ने अपनी सेवाएं दी। कार्यक्रम का संचालन सुनील बंजारिया ने किया व आभार संजय नाहर ने माना।

फूल माली समाज का सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। समस्त पंच श्री फूलमाली छोकरा पंचायत एवं 17वां सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के संयुक्त तत्पावधान में ग्राम बरखेड़ा में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर एक विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया जिसमें माता तुलसी एवं शालिग्राम विवाह सहित 27 जोड़े परिणय सूत्र में बधे।

विवाह सम्मेलन में क्षेत्र के सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक दिलीप सिंह परिहार, नपाध्यक्ष पिपलिया श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया, माली समाज प्रदेश संयोजक प्रदीप भाटी, छोकरा पंचायत अध्यक्ष मुकेश जादव, बलवंत महावर, दिलीप दायमा देवेंद्र खांडीवर, रामलाल राठौर, घीसालाल उनियारा, भूपेंद्र महावर, बलराम सोलंकी, कैलाश सोनकारा, गोवर्धनलाल दैया, नंदू पहलवान, चंद्रप्रकाश सोलंकी, गोपाल मोरी, मांगीलाल सोलंकी संहित बडी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर वर वधुओं को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के आरंभ में फूल माली समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति द्वारा विधिवत पूजन अर्चन कर एक विशाल कलश यात्रा निकली गई जिसमें समाज की महिलाओं ने अपने सर पर कलश धारण कर कार्यक्रम की शोभा बढाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अध्यक्ष बालमुकुंद रावलिया, जयचंद सोलंकी, मांगीलाल डोर, गणपतलाल कुंजडिया सहित पूरी सामूहिक विवाह समिति का स्वागत सत्कार मंदसौर माली समाज पंच के नंदराम उनियारा, बाबूलाल राठौर, घीसालाल गहलोत, बद्रीलाल मोरी, सुरेश दगदी, ओंकार लाल मोरी, भैरूलाल राठौड, कैलाश दहिया, लक्ष्मीनारायण गहलोत, सुंदरलाल गहलोत आदि द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मालवांचल समाज बंधुओ के साथ-साथ मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और हैदराबाद सहित अनेक राज्यों से कई समाज बंधुओ ने सहभागिता कर कार्यकर्ता बंधुओं का स्वागत सम्मान कर उनका हौसला बढाया। उक्त कार्यक्रम में पिपलिया मंडी नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया ने नवाचार करते हुए ऐसे सभी माता-पिताओं का सम्मान करने की बात कही जिन्होंने अपने पुत्र और पुत्री का विवाह इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में करने का निर्णय लिया जिसका वहां उपस्थित जैन स्वरूप समुदाय ने स्वागत किया। पूरा कार्यक्रम वैदिक रीति रिवाज और संस्कारों के साथ संपन्न हुआ। बाहर से पधारे हुए अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष श्री बालमुकुंद पटेल, श्री मांगीलाल दौड़ एवं उनकी पूरी टीम ने साफा दुपट्टा एवं मोर पंख भेंट कर किया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	40	2010	2150
उडद	10	4570	6280
सोयाबीन	4031	3851	4393
गैहु	11000	2460	2991
चना	236	5050	5600
मसुर	112	6081	6300
धनिया	190	5500	7103
लहसुन	18000	3000	9100
मैथी	910	3841	5901
मुंगफली	753	4442	5151
अलसी	1104	6950	7400
सरसो	253	5010	5970
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	121	9150	12153
प्याज	3062	350	902
कलोंजी	27	16000	21000
तुलसी बीज	1	15100	15100
डॉलर	71	6552	8586
तिल्ली	17	8200	8700
जौ	20	2300	2342
मटरसुखी	12	3838	4201
असालीया	5	6000	6670
चियाबीज	106	7501	13281

नौसेना के जंगी जहाज अलर्ट मोड पर...

सागर में एंटी शिप-एंटी एयर क्राफ्ट ने की फायरिंग प्रेक्टिस

नई दिल्ली, 01 मई। पहलगाम आतंकी हमले के आठ दिन बाद एनआईए चीफ सदानंद दाते आज दोपहर पहलगाम पहुंचे। इसके बाद वे घटनास्थल जाएंगे। जहां आतंकियों ने 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी। एनआईए की टीम इलाके की 3डी मैपिंग करेगी ताकि क्राइम स्पॉट को बेहतर ढंग से समझा जा सके। आतंकी कहां से आए थे और किस रास्ते से गए। इसकी जानकारी मिल सकेगी।

आतंकियों ने हमला करने से पहले चार स्थानों पर रेकी की थी। इसमें बायसरन के अलावा अरु वैली, बेताब वैली व एम्यूजमेंट पार्क (लोकल पार्क) शामिल है। वहीं दूसरी ओर इंडियन नेवी ने वॉरशिप को अलर्ट पर रखा है। पिछले दिनों अरब सागर में एंटी शिप व एंटी एयरक्राफ्ट फायरिंग की प्रैक्टिस की गई। गुजरात के नजदीक कोस्ट गार्ड की भी तैनाती की गई है। दूसरी ओर पाकिस्तान ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर चौकियों पर अपने झंडे फिर लगा दिए हैं। एक दिन पहले पाक ने चौकियों से झंडे हटा दिए थे। इस बीच पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका से अपील की है कि वह भारत पर जिम्मेदारी से पेश आने व बयानबाजी कम करने का दबाव बनाए। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से शरीफ ने यह भी कहा कि भारत के उकसाने वाले रवैया से क्षेत्रीय हालात बिगड सकते हैं। रुबियो ने शहबाज शरीफ व भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से फोन पर बात की। उन्होंने पहलगाम हमले की निंदा की और कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लडाई में अमेरिका भारत के साथ है।

वॉरशिप को अलर्ट पर रखे, कोस्ट गार्ड की तैनाती– खबर है कि इंडियन नेवी ने अरब सागर में प्रैक्टिस की, वॉरशिप को किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए अलर्ट पर रखा गया है। पिछले कुछ दिनों में अरब सागर में एंटी शिप व एंटी एयरक्राफ्ट फायरिंग की प्रैक्टिस की गई। गुजरात के नजदीक कोस्ट गार्ड को तैनात किया गया है।

तालिबान सरकार ने कहा बातचीत से हल निकालें– अफगानिस्तान की तालिबान सरकार में कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी ने कहा कि हम क्षेत्रीय संघर्ष का समर्थन नहीं करते और मानते हैं कि भारत और पाकिस्तान को सभी मुद्दों पर बातचीत के माध्यम से हल निकालना चाहिए।

शिवखोडी मंदिर में तीर्थयात्रियों की संख्या में गिरावट– पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण रियासी जिले में शिवखोडी मंदिर में तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आई है। इसका असर लोकल बिजनेस, टट्टू संचालक व टूरिज्म पर पड रहा है।

पाकिस्तान को समुद्र से हमले का खौफ– पाक ने हमले के डर से अपने पश्चिमी ग्वादर पोर्ट की सुरक्षा को कड़ा कर दिया है। पाकिस्तान ने कराची

एयरबेस पर 25 चीन निर्मित जे10सी व जेएफ17 फाइटर जेट्स तैनात किए हैं। ये जेट्स हमले की स्थिति में चंद मिनटों में रेस्क्यू मिशन पर ग्वादर पोर्ट पहुंच सकते हैं। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान इस थ्योरी पर काम कर रहा है कि भारत समुद्र के रास्ते बड़ा हमला कर सकता है। अमेरिका से मिले एफ16 को कॉम्बैट एयर पैट्रोलिंग में लगाया गया है। इस बीच उत्तर व उत्तर पूर्व में आर्मी व एयरफोर्स के हमले की आशंका से घबराए पाकिस्तान ने सामरिक रूप से अहम बलूचिस्तान के पासनी, गिलगिट बाल्टिस्तान के स्कार्दू व खैबर पख्तूनख्वाह केस्वॉट एयरबेस को सक्रिय कर दिया है। यहां जेट्स उडान भर रहे हैं। कराची-लाहौर से स्कार्दू के लिए नागरिक उडानें भी रद्द कर दी गई हैं।

पाकिस्तान ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर चौकियों पर दोबारा झंडे लगाए– पाक रेंजर्स ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कठुआ जिले के प्रग्याल में पाकिस्तानी चौकियों पर नए झंडे लगा दिए। कल जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कई चौकियों से झंडे हटा दिए गए थे।

लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा आज नॉर्दन आर्मी की कमान संभालेंगे– लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा आज से नॉर्दन आर्मी कमांडर का पद संभालेंगे। भारतीय सेना की नॉर्दन आर्मी के पास जम्मू-कश्मीर के पश्चिम में लाइन ऑफ कंट्रोल व पूर्व में लद्दाख से लगने वाली चीन बॉर्डर की रक्षा की जिम्मेदारी होती है।

मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम के संबंध में प्रेस वार्ता के माध्यम से कलेक्टर ने मीडिया को दी जानकारी

कृषक सम्मलेन एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो, किसानों का सम्मान, लोकार्पण, भूमिपूजन, निवेशकों के साथ बैठकस सहित होंगे आयोजन

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के 3 मई को सीतामऊ और गरोठ दूधाखेडी भ्रमण कार्यक्रम के संबंध में प्रेस वार्ता के माध्यम से मीडिया को जानकारी प्रदान की। कलेक्टर ने जानकारी देते हुए कहा कि सीतामऊमंडी के पास में आयोजित होने वाले किसान सम्मेलन एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो के माध्यम से किसानों को एक मंच पर लाया जा रहा है। एक ही मंच पर किसानों को समस्त जानकारियां मिलेगी। जिससे किसान अपने खेत में उन्नत कृषि की तकनीक को प्रयोग कर सके। उन्नत तकनीक को अच्छे से समझ सके। इस सम्मेलन के माध्यम से उन्नत कृषक जुडेंगे। इसके पश्चात सम्मेलन की गतिविधियां अलग-अलग संभागों में भी आयोजित होगी।

किसानों से जुडे विविध तरह के राज्य स्तरीय स्टाल लगाए जाएंगे। इन स्टॉल के माध्यम से कृषकों को उन्नत तकनीकी, खेती किसानी की जानकारी, नवाचार, उन्नत किसान के संबंध बारे में बताया जाएगा। फूड प्रोसेसिंग उद्योग कृषि से संबंधित उद्योग साथ ही इस क्षेत्र की आधुनिक नवीन नीति पर चर्चा की जाएगी। जिले एवं प्रदेश के उन्नत किसानों का मुख्यमंत्री के द्वारा सम्मानित किया जाएगा। किसानों अपने-अपने अनुभव साझा करेंगे। कृषि वैज्ञानिकों को भी इसमें आमंत्रित किया गया है। कृषि वैज्ञानिक नवीन तकनीक के बारे में किसानों को जानकारी प्रदान करेंगे। किसानों को नवीन तकनीकों के साथ जोडने काम किया जाएगा। इसमें लगभग 250 निवेशक आएंगे। मसाला एवं औषधि फसलों पर मुख्य फोकस रहेगा। कृषि के क्षेत्र में मंदसौर जिले से एक क्रांति की शुरुआत होने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव गरोठ स्थित दुधाखेडी माताजी मंदिर ग्राउंड में भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम करेंगे। वहीं पर दो सिंचाई परियोजनाओं का भी लोकार्पण किया जाएगा। जिसमें 223 करोड रुपए की लागत से निर्मित शामगढ सुवासरा वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना (विस्तारीकरण) का लोकार्पण करेंगे। 60 करोड की ताखाजी सूक्ष्म मध्यम सिंचाई परियोजना का लोकार्पण करेंगे एवं 7 करोड 71 लाख से निर्मित संयुक्त तहसील कार्यालय एवं अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय भवन गरोठ जिला मंदसौर का लोकार्पण करेंगे।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों हेतु विशेष विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

नीमच, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा प्रसारित वार्षिक कार्य योजना 2025-26 के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सिंह राजपूत के निर्देशन में 1 मई 2025 को ग्राम अरनिया चंद्रावत, तहसील मनासा में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विशेष विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर को संबोधित करते हुए, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच की सचिव श्रीमती शोभना मीणा ने श्रमिकों एवं ग्रामवासियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित 'असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों हेतु विधिक सेवा योजना' की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के अंतर्गत औद्योगिक कामगार निशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के पात्र हैं। श्रीमती मीणा ने बंजारा समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे कम उम्र में सगाई और झगडा प्रथा के सामाजिक दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला और ग्रामवासियों से अपील की, कि वे इन कुरीतियों का परित्याग कर अपने समाज को उन्नति की दिशा में आगे बढाएं। इस अवसर पर उपस्थित समाज के नवयुवकों द्वारा इन कुरीतियों का विरोध कर, इन सभी का त्याग करने का संकल्प भी दोहराया। सचिव श्रीमती मीणा ने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम तथा 'किशोर न्याय अधिनियम' से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को शिक्षा को प्रथम प्राथमिकता मानते हुए पूर्ण मनोयोग से पढाई करने हेतु प्रेरित किया। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार ने राष्ट्रीय लोक अदालत, मध्यस्थता योजना, नालसा टोल फ्री हेल्पलाइन 15100, तथा मोटर व्हीकल अधिनियम से संबंधित जानकारी दी। इस अवसर पर शिक्षक रोडीलाल चावडा ने यह विश्वास दिलाया, कि बंजारा समाज की पंचायत समुदाय में व्याप्त विभिन्न कुरीतियों को समाप्त करने हेतु एकमत हैं एवं आने वाले समय में सर्वसम्मति से नए सामाजिक नियम बनाए जाने की दिशा में अग्रसर हैं। इस अवसर पर पैरालीगल वॉलेंटियर श्री कमला शंकर, शिक्षक रोडीलाल चावडा ,मुखिया बिहारी दायमा ,बबलू दायमा, ईश्वर गरासिया ,मिलन चावडा,मन्नालाल चावडा सहित बडी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

विभागों को अधिकाधिक प्रकरणों का लोक अदालत में निराकरण करवाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

नीमच, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 10 मई, 2025 (शनिवार) को मध्यप्रदेश के समस्त जिला एवं तहसील न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उक्त नेशनल लोक अदालत में न्यायिक न्यायालयों में लम्बित समझौता योग्य प्रकरणों के अतिरिक्त जिले में लम्बित नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायतो, श्रम विभाग, बैंक, विद्युत विभाग, आदि के अधिक से अधिक प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण आपसी सुलह एवं समझौते द्वारा किया जावेगा। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सभी संबंधित अधिकारियों को उपरोक्त श्रेणी के राजीनामा योग्य समत्ता प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से कराने हेतु, अधिक से अधिक मामले लोक अदालत में रखने एवं समझौता योग्य प्रकरणों में संबंधित पक्षकारों को सूचना पत्र जारी कर उनकी सहमति प्राप्त करने हेतु संबंधितों को निर्देश दिए है। जिससे, कि लोक अदालत तिथि को अधिक से अधिक संख्या में उपरोक्त श्रेणी के प्रकरणों का लोक अदालत के अंतर्गत समझौता के माध्यम से निराकरण हो सकें।

महिला को पीटा

पिपलियामंडी, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। महिला से मारपीट के मामले में पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया। सूठोद निवासी दीपिका पति जितेन्द्र भाट ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरे भाई की पत्नी रचनाबाई पडोस में रहने वाले रतनलाल के यहां गई थी। मैं वहां बुलाने गई तो वहां मौजूद भरभड्या (रतलाम) निवासी काना भाट ने गाली-गलौज की व लकडी से पेट पर मार दी। पुलिस ने काना के खिलाफ केस दर्ज किया।

प्रशासन ने सैनिक तूफान सिंह को दिलाया जमीन का कब्जा

नीमच, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार गुरुवार को सैनिक तूफान सिंह बंजारा निवासी समेल तहसील जावद को प्रशासन द्वारा जमीन का कब्जा दिला दिया गया है। सैनिक ने जमीन का कब्जा दिलाने का आवेदन कलेक्टर नीमच को प्रस्तुत कर अपनी जमीन का कब्जा दिलाने का अनुरोध किया था। कलेक्टर के निर्देशानुसार तहसीलदार द्वारा राजस्व विभाग की टीम के साथ गुरुवार को मौके पर कब्जा दिलाने की कार्यवाही शांतिपूर्ण संपन्न की गई। इससे आवेदक एवं पडौसी कृषक दोनों संतुष्ट है।

अचानक लगाए ब्रेक, ट्रक के पीछे घुसी तूफान

पिपलियामंडी, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। ट्रक ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए, पीछे से आ रही तूफान गाडी घुस गई। तूफान क्षतिग्रस्त हो गई, गनीमत रही, किसी को चोंट नही आई। करडावत (पेटलावद) निवासी नारायण आंजना ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि परिवार के साथ केदारनाथ जा रहे थे, महू-नीमच मार्ग पर पिपलियामंडी में ब्रिज के पास पेट्रोल पंप के यहां ट्रक (टीएन 83 एमडी 8889) के ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे तूफान पीछे से घुस गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सेनाओं का मनोबल न गिराए

पहलगाम अटैक से जुड़ी याचिका पर सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली, 01 मई। सुप्रीम कोर्ट ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन की मांग करने वाली जनहित याचिका दायर करने वाले वकीलों की कडी आलोचना की है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। जस्टिस सूर्यकांत व एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि जिम्मेदार बनो। देश के प्रति तुम्हारा कुछ कर्तव्य है। क्या यही तरीका है।।।कृपया ऐसा मत करो। कब से एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश ऐसे मुद्दों ;आतंकवाद की जांच करने के लिए विशेषज्ञ बन गए हैं। हम किसी भी बात पर विचार नहीं कर रहे हैं। कृपया आप जहां जाना चाहते हैंए वहां जाएं।

जस्टिस सूर्यकांत ने आगे कहा कि यह वह महत्वपूर्ण समय है जब इस देश का हर नागरिक आतंकवाद से लडने के लिए हाथ मिला रहा है। ऐसी कोई प्रार्थना न करें जिससे किसी व्यक्ति का मनोबल गिरे। मामले की संवेदनशीलता को देखें। कुछ देर बहस करने के बाद वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। जम्मू-कश्मीर के तीन निवासियों द्वारा दायर याचिका में सर्वोच्च न्यायालय से केंद्र सरकार को आतंकवादी हमले पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष जांच दल बनाने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया। याचिकाकर्ताओं में फ्तेह कुमार शाहू, मोहम्मद जुनैद व विक्की कुमार ने केंद्र, जम्मू- काश्मीर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल व राष्ट्रीय जांच एजेंसी को केंद्र शासित प्रदेश के पर्यटक क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश देने की मांग की।

शराब जप्त, एक गिरफ्तार, ढाबा मालिक फरार

पिपलियामंडी, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने 120 क्वार्टर शराब के साथ एक आरोपी को पकडा। वहीं ढाबा संचालक फरार हो गया। मुखबिर की सूचना पर नाहरगढ पुलिस ने झलारा फन्टे पर 2 कार्टून लेकर खडे खेडी (सीतामउ) निवासी निवासी नीतिराजसिंह पिता मेहताबसिंह राजपूत को पकडा। आरोपी के पास 2 कार्टॅर्नन में 120 क्वार्टर शराब के जब्त हुए। आरोपी ने बताया उक्त शराब ढाबा मालिक वीरेन्द्रसिंह निवासी ढिकनिया की है। पुलिस ने वीरेन्द्रसिंह पर भी केस दर्ज किया, जो फरार है।

अंतरराज्यीय कंजर गैंग ने की थी लाखों की चोरी, तीन गिरफ्तार

उज्जैन, भोपाल, बेंगलुरु, केरल, दिल्ली में भी कर चुके हैं वारदातें, अंतरराज्यीय कंजर गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया, रतलाम के कस्तूरबा नगर में भी वारदात करना कबूल किया

रतलाम, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। जावरा शहर पुलिस ने जावरा नगर की इंदिरा कालोनी में किराना दुकानदार के घर हुई लाखों की चोरी करने के मामले में अंतरराज्यीय कंजर गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकडे गए आरोपितों ने रतलाम शहर के कस्तूरबा नगर में भी वारदात करना कबूल किया है। उनके कब्जे से किराना दुकानदार के घर से चुराए गए करीब पांच लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवर, घडिया, आधार कार्ड आदि बरामद किए गए हैं।

एसपी अमित कुमार ने पत्रकारवार्ता में बताया कि 28 अप्रैल की शाम दुकानदार अजय कियावत पुत्र जयंतीलाल कियावत निवासी इंदिरा कालोनी जावरा के घर का ताला तोडकर चोर जेवर, पर्स, आधार कार्ड, 30 हजार रुपये नकद, घडिया आदि चुराकर ले गए थे। साथ ही एक अन्य घर में नकूचा तोडकर चोरी करने का प्रयास किया था। सूचना पर तत्काल एएसपी राकेश खाखा के मार्गदर्शन में सीएसपी जावरा दुर्गेश आर्मो व जावरा शहर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह जादौन को हर पहलू पर जांच कर आरोपितों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। थाना प्रभारी जादौन के नेतृत्व में गठित पांच टीमों ने सीसीटीवी फुटेज चेक कर तथा तकनीकी संसाधनो का उपयोग कर साक्ष्य जुटाए तो फुटजों में इंदिरा कालोनी व आसपास तीन संदिग्ध युवक घूमते दिखाई दिए। उनके बारे में जानकारी निकाली गई तो पता चला कि फुटेज में दिखाई दे रहे आरोपित 20 वर्षीय रामप्रसाद पुत्र धनराज बागरिया कंजर निवासी बलडी बिजयनगर थाना भिनाय जिला अजमेर, 19 वर्षीय मुरारी पुत्र गोपाल बागरिया कंजर निवासी ग्राम आमली थाना फुलियाकलाँ जिला भीलवाडा व 19 वर्षीय मंगल पुत्र रामचन्द्र बागरिया कंजर निवासी ग्राम बावलाखेडा थाना गुलाबपुरा जिला भीलवाडा (राजस्थान) वारदात करने में शामिल हैं।

200 किलोमीटर तक लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए– जावरा व अलग-अलग स्थानों के करीब 200 किलोमीटर तक लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज, सायबर सेल व अन्य तकनिकी संसाधनों तथा बस कंडेक्टरो से पूछताछ

करने पर तीनों संदिग्धों के चित्तोडगढ (राजस्थान) जाने की जानकारी मिली। टीमों ने चित्तोडगढ जाकर रेलवे स्टेशन, बस स्टैड आदि जगह आरोपितों की तलाश की तो तीनों संदिग्ध चित्तोडगढ के बस स्टैंड क्षेत्र में एक जगह दिखाई दिए। सीसीटीवी फुटेज मे दिख रहे व्यक्तियो से उनके चेहरे एवं कपडे मैच होने पर तीनों को हिरासत में लेकर जावरा लाया गया। पूछताछ में रामप्रसाद, मुरारी व मंगल ने जावरा में चोरी करना स्वीकार किया। इसके बाद उनके कब्जे से चुराई गई 12 ग्राम वजनी सोने की चार अंगूठी, दो ग्राम वजनी एक पेंडल, 15 ग्राम वजनी चेन, पांच ग्राम वजनी कान के दो जोड टाप्स, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, चांदी की तीन जोड पायजब, दो जोड बिछियां, आठ घड़िया, आधार कार्ड, दुकान के विजिटिंग कार्ड, ताला व नकूचा तोड़नेका आजार आदि जब्त किए गए। आरोपितों ने पूछताछ में रतलाम, माधवनगर उज्जैन, भोपाल, बेंगरुलु, केरल, दिल्ली में भी चोरी की वारदातें करना बताया है, जिनके संबंध मे जानकारी एकत्रित की जा रही है।

मुख्यमंत्री का लाल कालीन स्वागत करे कार्यकर्ता-दीक्षित

डॉ. यादव के आगमन को लेकर भाजपा की आवश्यक बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 01 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के दिनांक 3 मई को सीतामऊआगमन को लेकर भाजपा की महत्त्वपूर्ण बैठक 01 मई को प्रात: 11 बजे शहनाई गार्डन सीतामऊ पर सांसद सुधीर गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित एवं क्षेत्रीय विधायक हरदीप सिंह डंग के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनुप्रिया यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष गण, मनोज शुक्ला, कविता यादव, पिछडा मोर्चा जिलाध्यक्ष रणजीत सिंह चौहान, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोड़ूलाल वर्मा, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह कोटडा माता, भाजपा वरिष्ठ नेता जगदीश परमार, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बालाराम परिहार, सीतामऊ मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र बामनिया आदि मंचस्थ रहे। बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात मंचस्थ अतिथियों का स्वागत मंडल पदाधिकारी गणों द्वारा किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा की हम सभी के लिये अत्यंत प्रसन्नता का विषय है की हमारे प्रदेश के लाडले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी प्रदेश में कृषि एंव हॉर्टिकल्चर मेले का शुभारंभ मंदसौर जिले के सीतामऊसे कर रहे है। मंदसौर जिला कृषि उद्यानिकी एवं मसाला क्षेत्र में प्रदेश के साथ देश में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। आज प्रदेश में किसान पूर्ववर्ती कांग्रेसी सरकारों के कार्यकाल के मुकाबले में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकारों के 18 सालों में अधिक शिक्षित और सक्षम हुआ है, जो हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एंव पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान तथा वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव की किसान हितेषी योजनाओं का प्रतिफल है। आज किसानों को सिंचाई के लिये विद्युत का इंतजार नही करना पडता है। बैंको से आसानी से केसीसी के माध्यम से किसानो को ऋण उपलब्ध हो रहा है। किसान सम्मान निधि अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकार के अनुदान से 10 हजार रुपये की राशि सीधे किसानों के खाते में आ रही है। ऐसी योजनाओं के जनक जनप्रतिनिधिगणों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। इसलिये सीतामऊमें आयोजित होने वाले इस कृषि मेले में हजारो की संख्या में किसान सम्मिलित होकर और अधिक उन्नतशील कृषि पद्धति से लाभान्वित हो सकते है, उनके जीवन स्तर में और अधिक सकारात्मक सुधार आयेगा। मेरा आज इस बैठक के माध्यम से आप सभी मंडल अध्यक्ष एवं मंडल पदाधिकारियों से आग्रह है की प्रत्येक मंडल के प्रत्येक बूथ से अधिक से अधिक संख्या में किसानों की उपस्थिति इस कृषि मेले में सुनिश्चित करें।

बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक हरदीप सिंह डंग ने कहा की प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी के निर्देशानुसार सीतामऊमें उद्योग कृषि और हॉर्टिकल्चर से संबंधित मेला लगाया जा रहा है। मैं उसके लिये माननीय मुख्यमंत्री जी का बहुत बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हुँ। मेले में कृषि से संबंधित नवीनतम तकनीक के 80 से ज्यादा स्टॉल लगाये जा रहे है और साथ ही कृषि वैज्ञानिकों की टीम किसानों के गाइडेंस के लिये मेले में उपलब्ध होगी। हमारे देश के कृषि मंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान एवं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव विदेशो में जाकर कृषि की नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर रहे है तो हमारे क्षेत्र के किसानों का भी फर्ज बनता है की सीतामऊमें आयोजित हो रहे इस ऐतिहासिक मेले में सम्मिलित होकर नई नई तकनीकों से रूबरू होवें जिससे खेती से और अधिक लाभ प्राप्त करने में किसानों को सफलता प्राप्त होगी। बैठक में भाजपा जिला पदाधिकारीगण शिवराज सिंह राणा, राजेश पालीवाल, राजेश नामदेव, अजय तिवारी, नरेंद्र पाटीदार, प्रीति रोखले, सुनीता पालीवाल, अंकित सोनी, मोर्चा जिला अध्यक्ष गण निर्मला गुप्ता, अशोक सूर्यवंशी, विक्रम सिंह चौहान, मंडल अध्यक्ष गण नीलकमल मेहता, दिलीप सिंह तरनोद, जुझार सिंह गुर्जर, धनसुख पाटीदार, जितेन्द्र बामनिया, महेंद्र सिंह गौड, राजेश धाकड, भेरूलाल सेन, राकेश पाटीदार, आशीष विजयवर्गीय, विकास सुराणा, गोपाल पाटीदार, नेपाल सिंह सिसोदिया, अरविंद सारस्वत, विनोद डगवार, अनिल पांडे, राजकुमार पोरवाल, लाल सिंह डुंगावत, लाल सिंह देवडा सहित अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारी एंव कार्यकर्ता गण उपस्थित थे। बैठक का संचालन सीतामऊजनपद पंचायत उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह चौहान ने किया एंव आभार सीतामऊ मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र बामनिया ने माना। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक EWS.A-145 जो श्रीमती लक्ष्मीबाई बिलोदिया पति स्व. श्री भगवतीलाल बिलोदिया को मण्डल आदेश क्रमांक 1427 दिनांक 23.08.2024 द्वारा नामांतरित किया गया था। उक्त भवन का लीज नवीनीकरण दिनांक 18.10.2024 को उप-पंजीयक कार्यालय में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था । श्रीमती लक्ष्मीबाई बिलोदिया पति श्री स्व.श्री भगवतीलाल बिलोदिया द्वारा उक्त भवन का दान अपनी पुत्रवधु श्रीमती मोहनबाई बिलोदिया पति श्री अशोक बिलोदिया को कर दान पत्र दिनांक 07.11.2024 को इनके नाम पर पंजीयन निष्पादित करवाया गया था । उक्त दान पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्रीमती मोहनबाई बिलोदिया पति श्री अशोक बिलोदिया अपने नाम करवाना चाहती है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्रीमती मोहनबाई बिलोदिया पति श्री अशोक बिलोदिया के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक LIG.A-68 जो श्रीमती निरंजना व्यास पति राजेन्द्र व्यास एवं राजेन्द्र व्यास पिता श्री मोहनलाल व्यास को मण्डल आदेश क्रमांक 757 दिनांक 19.04.2024 द्वारा संयुक्त रूप से नामांतरित किया गया था। श्रीमती निरंजना व्यास पति राजेन्द्र व्यास एवं राजेन्द्र व्यास पिता श्री मोहनलाल व्यास द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री कमलेश कुमावत पिता श्री रूपलाल कुमावत को कर विक्रय पत्र दिनांक 16.03.2025 को इनके नाम पर पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री कमलेश कुमावत पिता श्री रूपलाल कुमावत अपने नाम करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्री कमलेश कुमावत पिता श्री रूपलाल कुमावत के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in